संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 119
पृष्ठ 8
शुक्रवार
16 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में चेहरा रहेगा बिल्कुल साफ...

विचार- असम में गोगोई और विश्वशर्मा भिड़े

खेल- हार के बाद कोच डेशकाटे ने नीतीश...

42 देशों के संसदीय पदाधिकारियों के सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री-

भारतीय महिलाएं न केवल लोकतंत्र में भाग ले रही हैं बल्कि नेतृत्व भी कर रही हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में 28वीं कॉमनवेल्थ स्पीकर्स एंड प्रेसिडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस, 2026 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री का स्वागत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, और राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरिवंश नारायण सिंह ने किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा की भारत की राष्ट्रपति देश की पहले नागरिक, एक महिला हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला हैं। आज, भारतीय महिलाएं न केवल लोकतंत्र में भाग ले रही हैं बल्कि नेतृत्व भी कर रही हैं। आपमें से कई लोग भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र के रूप में जानते हैं। वास्तव में, हमारे लोकतंत्र का पैमाना असाधारण है। उदाहरण के तौर पर, 2024 में हुए भारत के आम चुनाव मानव इतिहास का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अभ्यास थे। लगभग 98 करोड़ नागरिकों ने वोट के लिए पंजीकरण कराया। यह संख्या कुछ महाद्वीपों की जनसंख्या से भी अधिक है। चुनावों में 8,000 से अधिक उम्मीदवार और 700 से अधिक राजनीतिक पार्टियां भाग लीं। महिलाओं के मतदान में भी रिकॉर्ड भागीदारी देखी गई।

उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर आप सभी बैठे हैं वो भारत की डेमोक्रेटिक जर्नी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। गुलामी के आखिरी वर्षों में जब भारत की आजादी तय हो चुकी थी, उस समय इसी सेंट्रल हॉल में भारत की संविधान की रचना के लिए संविधान सभा की बैठकें हुई थी। भारत की आजादी के

बाद 75 वर्षों तक यह इमारत भारत की संसद रही और इसी हॉल में भारत के भविष्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय और अनेक चर्चाएं हुई। अब लोकतंत्र को समर्पित इस स्थान को भारत ने संविधान सदन का नाम दिया है। कॉमनवेल्थ देशों की कुल जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी हिस्सा भारत में बसता है। हमारा प्रयास रहा है कि भारत सभी देशों के विकास में अधिक से अधिक योगदान करे। कॉमनवेल्थ के सतत विकास लक्ष्यों में स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास और नवाचार के क्षेत्र में हम पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रहे हैं। भारत सभी साथियों से सीखने का निरंतर प्रयास करता है। हमारा ये भी प्रयास होता है कि हमारे अनुभव अन्य कॉमनवेल्थ साझेदारों के भी काम आए। आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में वैश्विक दक्षिण के लिए भी नए रास्ते बनाने का समय है।

संसदीय लोकतंत्र में स्पीकर की भूमिका बेहद खास होती है। दिलचस्प बात यह है कि स्पीकर खुद ज्यादा बोलते नहीं हैं। उनका मुख्य काम होता है सदस्यों की बातें सुनना और यह सुनिश्चित करना कि हर किसी को बोलने का मौका मिले। स्पीकरों की सबसे बड़ी खासियत धैर्य है। वे सबसे शोरगुल करने वाले या उत्साही सदस्यों को भी सहनशीलता और मुस्कान के साथ संभालते हैं। संसदीय व्यवस्था में स्पीकर का काम केवल अध्यक्षता करना नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के लिए निष्पक्ष और संतुलित माहौल बनाना भी है। पीएम मोदी ने कहा कि यह चौथा अवसर है, जब कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रेसिडिंग ऑफिसर्स की कॉन्फ्रेंस भारत में हो रही है। इस बार इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी डिलीवरी है। पीएम ने कहा भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। वेद लगभग 5000 साल पुराने हैं। निर्णय लेने से पहले विषयों के हर पहलू पर गहराई से मंथन और विचार-विमर्श होता है। फैसले लेने से पहले आम सहमति बनाने की कोशिश और मतदान होते हैं। जब भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की, तो कई लोगों को शक था कि इतनी विशाल विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। लेकिन यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की ताकत बन गई। यह भी संदेह था कि अगर लोकतंत्र जड़ पकड़ भी ले, तो भारत को विकास में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इन सभी शंकाओं के विपरीत, भारत ने यह साबित किया कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं विकास में स्थिरता, पैमाना और गति प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि आज, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत में विकसित UPI दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माता भी है और वैश्विक स्तर पर इस्पात उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। भारत ने विविधता को लोकतंत्र की ताकत बना दिया। भारत ने साबित किया कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थिरता, गति और पैमाना तीनों प्रदान करती हैं। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र को जन-केंद्रित नीतियों और कल्याणकारी कानूनों के जरिए मजबूत किया गया है। ओम बिरला ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरी दुनिया नेतृत्व की ओर देख रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक चुनौतियों पर स्पष्ट और निर्णायक समाधान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत की 70 से अधिक वर्षों की संसदीय यात्रा में लोकतंत्र को लगातार सशक्त किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने जोर देते हुए कहा कि भारत की निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव प्रणाली ने हर पात्र नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि संसद और सरकार के सामूहिक प्रयासों से अब तक 1500 से अधिक पुराने और बेकार कानूनों को खत्म किया गया है।

भारतीय सेना ने जारी किया ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने सेना दिवस के अवसर पर एक नया वीडियो जारी किया, जिसमें पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा पार आतंकी शिविरों पर किए गए सटीक हमलों और उसके बाद पाकिस्तानी हवाई अड्डों और उनके रडार सिस्टम पर हुए हमलों को दिखाया गया है। तीन मिनट के इस वीडियो की शुरुआत में 2001 में संसद पर हमला, 2002 में अक्षरधाम मंदिर पर हमला, 2008 में मुंबई पर हमला, 2016 में उरी पर हमला, 2019 में पुलवामा पर हमला और 2025 में पहलगाम पर हमला जैसी प्रमुख आतंकी घटनाओं का जिक्र किया गया है। सेना ने इन घटनाओं को मानवता पर हमला बताया है। वीडियो में दिखाया गया कि कैसे भारतीय सेना ने 7 मई,

2025 की रात को नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। दृश्यों में ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए समन्वित हमले दिखाए गए।

पाकिस्तान का नाम लिए बिना, वीडियो में जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों के पास पाकिस्तान द्वारा की गई भारी गोलाबारी के बाद के हालात भी दिखाए गए। इसमें भारतीय सेना द्वारा ड्रोन को मार गिराने और सैन्य चौकियों को निशाना बनाने के माध्यम से की गई जवाबी कार्रवाई भी दिखाई गई। फुटेज में सीमा पार हवाई रक्षा रडारों और हवाई अड्डों पर हमले भी दिखाए गए। वीडियो के अंत में एक संदेश है, हमारे दुश्मनों के लिए एक चेतावनी।

मकर संक्रांति पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, ड्रोन से की जा रही है निगरानी

प्रयागराज,संवाददाता। मकर संक्रांति पर्व पर कड़कड़ाती ठंड पर आस्था भारी रही। भोर से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 10 बजे तक 36 लाख से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगा चुके थे। मकर संक्रांति पर करीब ढाई लाख श्रद्धालुओं के त्रिवेणी में स्नान करने का अनुमान लगाया गया है। पूरे माघ मेले में सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद इंतजाम हैं। एटीएस की नजर पूरे मेले पर है। पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के साथ ड्रोन से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। मकर संक्रांति पर मेला प्रशासन ने दो से ढाई करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान जताया है। इसके 24 स्नान घाटों पर इंतजाम किया गया है। इसके अलावा हाईटेक रिस्पांस प्लान लागू कर आधुनिक ट्रैफिक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नदी की धारा में परिवर्तन के कारण घाटों में आंशिक संशोधन भी किया गया है।

स्नान घाटों एवं मार्गों पर किसी को भी सोने न देने, पैनिक की स्थिति उत्पन्न न होने देने और संचार के लिए अनिवार्य रूप से वायरलेस सेट के प्रयोग के लिए प्लान तैयार किया गया हैं। वहीं, मकर संक्रांति पर्व से पहले बुधवार को 75 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। श्रद्धालु सिर पर गठरी, हाथों में बैग, झोला लिए पैदल संगम की ओर बढ़ते नजर आए। मेला संतों, साधु-संन्यासियों और कल्पवासियों के विराट समागम का केंद्र बन गया है। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल के अनुसार नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के अनुरूप घाटों एवं मार्गों पर आवश्यक कार्रवाई करने पर विशेष जोर देने को कहा गया है।डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि जल पुलिस को पूरी सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। एसपी नीरज कुमार पांडेय के अनुसार, जो जिधर से आएगा उसी नजदीक के स्नान घाट पर स्नान कराने का निर्देश दिया गया है।

संवेदनशील चौराहों के बीच जाम लगने वाले आठ स्थान चिह्नित किए गए हैं। उन्हें क्लियर रखने के लिए क्यूआरटी बनाई गई है जो टीसीआर की सूचना पर तत्काल जाम स्थल पर पहुंच सकते हैं। हर क्यूआरटी में छह-छह सिपाही और एक क्यूआरटी व्हीकल है। सीओ स्तर के अधिकारी द्वारा टीसीआर का पर्यवेक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मेले में जाम लगने पर एसीपी, एसएचओ और एसआई जवाबदेह होंगे। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार के अनुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न घाटों से लेकर मेला क्षेत्र में पुख्ता इंतजाम किया गया है। 12 कंपनी पीएसी, बाढ़ राहत पीएसी की सात कंपनी, एनडीआरएफ की दो टीमें, एसडीआरएफ, एंटी माइंस की एक-एक कंपनी, एटीएस की दो टीमें, बीडीडीएस की छह, एएस चेक की दस टीमें, आरएएफ की छह कंपनी, यूपी 112 की चार पहिया 20 और दो पहिया 25 वाहनों से निगरानी का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा एक एसपी, आठ एएसपी, 17 सीओ, 6169 दरोगा, सिपाही और 1,000 रिक्रूट आरक्षियों की तैनाती की गई हैं।

जवानों के साहस को सलाम, देश उनकी निस्वार्थ सेवा का सदा ऋणी रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को सलाम किया। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा आज सेना दिवस पर हमारे सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प को सलाम। राष्ट्र उनके निस्वार्थ सेवा के लिए उनके और उनके परिवारों के प्रति सदा कृतज्ञ रहेगा। भारत में हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है, यह दिवस लेफ्टिनेंट जनरल कोडंडेरा एम. कारियाप्पा (जो बाद में फील्ड मार्शल बने) द्वारा 15 जनवरी 1949 को भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल फ्रांसिस रॉय बुचर से भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण करने की स्मृति में मनाया जाता है।

मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर पीएम मोदी पर बरसे खरगे

ऐतिहासिक धरोहर मिटाने का आरोप

वाराणसी, संवाददाता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सौंदर्यीकरण के नाम पर सदियों पुरानी धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत को नष्ट किया जा रहा है। इसके साथ ही ऐतिहासिक मूर्तियों को नुकसान पहुंचा है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा गुप्त काल में वर्णित और बाद में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्स्थापित मणिकर्णिका घाट की दुर्लभ प्राचीन विरासत को जीर्णोद्धार के बहाने ध्वस्त करने का अपराध किया है, आगे कहा कि सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण

के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। नरेंद्र मोदी जी... आप हर ऐतिहासिक धरोहर को मिटाना चाहते हैं। वह भी बस उस पर अपनी नामपट्टिका चिपकाना चाहते हैं,। प्रदर्शनकारियों ने मणिकर्णिका घाट की पुनर्विकास योजना के तहत विध्वंस अभियान का विरोध किया है। अहिल्याबाई होलकर की एक शताब्दी पुरानी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है, जिसे जिला प्रशासन ने खारिज कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार ने बुधवार को कहा कि कलाकृतियों को संस्कृति विभाग द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। काम पूरा होने के बाद उन्हें उनके मूल स्वरूप में पुनः स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस नवीनीकरण का उद्देश्य घाट पर स्वच्छता और स्थान प्रबंधन में सुधार करना है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में शवदाह होते हैं। खरगे के अनुसार, एक गलियारे के नाम पर छोटे-बड़े मंदिरों और तीर्थस्थलों को ध्वस्त कर दिया गया और अब प्राचीन घाटों की बारी है। विश्व का सबसे प्राचीन शहर काशी, आध्यात्मिकता, संस्कृति, शिक्षा और इतिहास का संगम है,जो पूरी दुनिया को आकर्षित करता है।

दुर्व्यवहार पर भड़के किसान नेता, अलोपीबाग चुंगी पर धरने पर बैठे, पुलिस प्रशासन में मची खलबली

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (राकेश टिकैत) गुट की ओर से मकर संक्रांति पर माघ मेले में परेड ग्राउंड में आयोजित किसान महापंचायत के दौरान पुलिस और किसानों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। भारतीय किसान यूनियन (राकेश टिकैत) गुट

की ओर से मकर संक्रांति पर माघ मेले में परेड ग्राउंड में आयोजित किसान महापंचायत के दौरान पुलिस और किसानों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। किसानों के साथ दर्व्यवहार करने और राकेश टिकैत के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनुज चौधरी किसान नेताओं के साथ अलोपीबाग चुंगी चौराहे पर धरने पर बैठ गए। खचाखच भीड़ के बीच सड़क पर धरना शुरू होने पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर किसान नेता नारेबाजी करने लगे।

वाराणसी पुलिस की कार्रवाई के विरोध में तहसील में गरजे कांग्रेसी

प्रयागराज। वाराणसी में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के साथ हुई कथित पुलिसिया मारपीट और दुर्व्यवहार के विरोध में कांग्रेस ने बुधवार को फूलपुर तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गंगापार के कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि भाजपा शासनकाल में प्रदेश में अपराध, अराजकता और पुलिसिया दमन लगातार बढ़ रहा है। आम जनता और विपक्षी दल शांतिपूर्ण तरीके से भी अपनी बात प्रशासन तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस इस घटना की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें बर्खास्त नहीं किया जाता, तब तक पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन जारी रखेगी। इस मौके पर निशा सिंह, सत्य नारायण पांडेय, सुनील पांडेय, सायरा आयशा, सुभाष चंद्र यादव, आनंद प्रताप सिंह, प्रदीप पांडेय, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी और शिवराम दुबे आदि मौजूद रहे।

50 मवेशियों को गोशाला में किया गया शिफ्ट

प्रयागराज। तरहार इलाके में लावारिस 50 मवेशियों को गोशाला में शिफ्ट किया गया। एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम के आदेश पर खंड विकास अधिकारी जसरा सुनील कुमार सिंह ग्राम पंचायत देवरिया के सचिव को पचास मवेशियों को समायोजित करने का आदेश दिया है। समाजसेवी बालेंद्र सिंह यादव ने बताया कि यदि किसी भी मवेशी की ठंड से मौत होती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

प्रयागराज। इलाके के तुलापुर शेखपुर सठवा गांव के समीप पुल के नीचे अनियंत्रित ट्रक चालक ने सोमवार शाम करीब सात बजे साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे सीएचसी सोरांव ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर मृतक के परिजन भी रोते–बिलखते अस्पताल पहुंचे। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं, आरोपी ट्रक चालक घटना स्थल पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सुनील कुमार (32) पुत्र बच्चू लाल निवासी जमुनीपुर थाना होलागढ़ चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। सोमवार को वह सोरांव में स्थित आलू कोल्ड स्टोर में पल्लेदारी करने आया था। शाम करीब छह बजे आलू की निकासी बंद होने के बाद वह गजऊ का पूरा में बने अपने दूसरे मकान पर साइकिल से जा रहा था। तुलापुर गांव के समीप पुल के पास उसे ट्रक ने टक्कर मार दी। सीएचसी के डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि की। मृतक के मामा अरुण कुमार निवासी मलाक हरहर ने अज्ञात चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस जांच कर रही है। मृतक की पत्नी सुमन देवी, मां शांति देवी बेसुध हैं।

चाइनीज मांझे से बाइक सवार का पैर कटा

प्रयागराज। तमाम रोक के बावजूद चाइनीज मांझे की बिक्री जारी है। बुधवार को चाइनीज मांझे से बाइक सवार एक युवक का पैर कट गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रतापगढ़ के देल्हूपुर निवासी रोहित कुमार (35) बाइक से कलंदपुर मार्ग जा रहा था। जैसे ही वह चौहान का पूरा नहर पुलिया के पास पहुंचा कि चाइनीज मांझा की चपेट में उसका पैर आ गया। इससे उसका पैर कट गया। राहगीरों ने किसी तरह बाइक सवार को नजदीक के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय लोगों ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर सख्ती से पाबंदी लगाने की मांग की है।

बरौत में पतंग की मंझे से हादसा, बाइक सवार घायल

हंडिया थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर बुधवार शाम चाइनीज मांझे में फंसकर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहां में भर्ती कराया गया।

41 वर्षीय बलवंत सिंह बाइक से प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे बरौत कस्बे के ओवरब्रिज पर पहुंचे, सड़क पर लटक रही चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में फंस गई। इससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना पर चालक नवनीत पाल और टेक्नीशियन विवेक यादव मौके पर पहुंचे और घायल को ऊपरदहां सीएचसी पहुंचाया।

नहर में मिला ट्रक चालक का शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के कोड़ापुर गांव निवासी युवक का शव बुधवार सुबह सेफखानपुर गांव के सामने नहर में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा कि युवक चार दिन पहले ही घर आया था। वह मुंबई में रहकर ट्रक चलाता था। सोनू भारतीय (28) पुत्र स्वर्गीय मदन लाल ट्रक चालक था। सोनू मंगलवार रात करीब 10 बजे बाइक से ससुराल जाने के लिए घर से निकला था लेकिन देर रात तक वहां नहीं पहुंचा। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने नहर में शव उतराता देखा तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक साथ बुझ गए परिवार के चार चिराग:

पहले भाई, फिर दोनों बेटों के साथ दो भतीजे दूर हो गए, बेबस पिता की आपबीती

प्रयागराज। प्रयागराज के कुसुआ गांव में चचेरे भाइयों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया है। चार बच्चों के शव एक गड्ढे में मिले, जो बारिश के पानी से तालाब बन गया था।

पहले छोटा भाई संदीप हम सबको छोड़कर चला गया और अब मेरे दोनों बेटों के साथ दो भतीजे मुझसे दूर हो गए। बेटे प्रतीक और प्रिंस की मौत के बाद पिता प्रदीप के घर में मातम पसरा रहा। चार भइयों की मौत से परिवार के दो सगे भाइयों के घर के चिराग एक साथ बुझ गए।

पिता प्रदीप सोनकर ने बताया कि दो बेटों प्रतीक और प्रिंस के अलावा उनकी एक बेटी प्राची है जो सबसे छोटी है। इस घटना ने उनके परिवार के चिराग बुझा दिए। छोटे भाई संदीप सोनकर की दो साल पहले बीमारी से मौत के बाद उसकी पत्नी सीमा बेटे प्रियांशु, दो बेटियों छाया और गुल्ली के साथ रह ही थी। थी। प्रियांशु की मौत से उसके घर का चिराग भी बुझ गया।

परिवार को न जाने किसकी नजर लगी

संदीप की पत्नी सीमा के से राजेश की पत्नी शीला और बेटी पूनम का हाल बेहाल है।

दो साल पहले भूमिधरी से निकाली गई थी मिट्टी

मुंह से बार–बार यही निकल रहा था कि न जाने परिवार को किस हैवान की नजर लग गई। प्रदीप के बड़े भाई राजेश सोनकर ने बताया कि उनके चार बेटे शुभम, शिवम, सत्यम, करन और एक बेटी पूनम है। इनमें से करन सबसे छोटा और होनहार था। 11वीं की पढ़ाई के साथ वह घर की जिम्मेदारी भी उठा रहा था। करन की मौत के बाद

कुसुआ गांव के लोगों ने बताया कि मंगलवार को जहां चचेरे भाइयों के शव मिले, वहां तालाब नहीं बल्कि क्षेत्र के एक गांव के जमींदार की भूमिधरी है। दो साल पहले कुछ लोगों ने इस भूमिधरी से मिट्टी निकाल ली थी। इससे यहां बहुत बड़ा गड्ढा हो गया जो करीब 14 से 15 फीट गहरा है।

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश का पानी भरने से यह गड्ढा तालाब में तब्दील हो गया। वहीं, घटना की सूचना पर सदर एसडीएम अभिषेक सिंह, तहसीलदार अनिल कुमार पाठक और कानूनगो अमर सिंह राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने भूमिधरी से निकाली गई मिट्टी के संबंध में हल्का लेखपाल से जवाब तलब किया है।

गांव में मातम, घरों में नहीं जले चूल्हे

चचेरे भाइयों की मौत की सूचना मिलने पर हुसैनपुर गांव में मातम पसर गया। बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं और लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। लोगों ने बताया कि घटना ने पूरे गांव के लोगों को झकझोर दिया है। एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत के बाद गांव के अधिकतर लोगों के घरों में चूल्हे नहीं जले।

पिता का आरोप– गीले नहीं थे बेटों के कपड़े हुई है उनकी हत्या

प्रिंस और प्रतीक के पिता प्रदीप सोनकर ने आरोप लगाया कि तालाब के पास उनके बेटों के कपड़े पड़े थे लेकिन गीले नहीं थे। अगर मंगलवार शाम को उनकी तालाब में डूबने से मौत होती तो रातभर में ओस के कारण कपड़े भीग जाते, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उन्होंने आशंका जताई कि बेटों की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिए गए। उन्होंने पुलिस से न्याय की मांग की है।

वहीं, घटना से नाराज ग्रामीण सल्लाहपुर चौकी का घेराव कर सड़क जाम करने की योजना बनाने लगे। इस बात की भनक जैसे ही पुलिस को लगी तो एसीपी धूमनगंज अजेंद्र यादव मौके पर पहुंच गए और लोगों को शांत कराते हुए स्थिति को काबू में किया। ब्यूरोसे निकाली गई मिट्टी के संबंध में हल्का लेखपाल से जवाब तलब किया है।

एक नजर में घटनाक्रम

मंगलवार दोपहर 3.30 बजे चारों भाई घर से लापता हो गए।

बुधवार सुबह 8.15 बजे तालाब के पास कपड़े व चप्पलें मिलीं।

सुबह 8.45 बजे परिजन मौके पर पहुंचे।

सुबह 9.10 बजे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

सुबह 11.05 बजे तक चारों शवों को बाहर निकाला गया।

शाम 4.30 बजे पोस्टमार्टम कराया गया।

शाम 6.30 बजे तक सभी के शव परिजनों को सौंप दिए गए।

हाईकोर्ट का निर्देश– चाइनीज मांझा के निर्माण, उपयोग और बिक्री पर प्रतिबंध लगाए राज्य सरकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए एक बार फिर कहा कि चाइनीज मांझा के निर्माण, उपयोग और बिक्री पर राज्य सरकार प्रतिबंध लगाए। चाइनीज मांझा मानव के साथ ही पक्षियों के लिए भी घातक है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए एक बार फिर कहा कि चाइनीज मांझा के निर्माण, उपयोग और बिक्री पर राज्य सरकार प्रतिबंध लगाए। चाइनीज मांझा मानव के साथ ही पक्षियों के लिए भी घातक है।

यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने दिया है। जौनपुर निवासी हिमांशु श्रीवास्तव व दो अन्य ने जनहित याचिका दायर कर चाइनीज मांझा की बिक्री, निर्माण व उपयोग पर रोक लगाने की मांग की थी।

याचीगण के अधिवक्ता शिवा

प्रिया प्रसाद ने दलील दी कि चाइनीज मांझा बनाने के लिए जिस सामग्री का प्रयोग किया जाता है वह इसे ब्लेड की तरह तेज धार वाला बना देते हैं। इससे कपड़ा पहने होने के बाद भी शरीर को काट देता है। यह मानव, जानवर, पक्षियों के जीवन के लिए खतरा है। दलील दी कि 11 दिसंबर 2025 को अध्यापक संदीप तिवारी अपनी बच्ची को स्कूल छोड़कर आ रहे थे। शास्त्री ब्रिज पर पहुंचते ही चाइनीज मांझा से गला कटने से उनकी मृत्यु हो गई। हाईकोर्ट ने पूर्व की याचिकाओं पर प्रदेश के सभी जिले के कलेक्टर को चाइनीज मांझा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद इसकी बिक्री जारी है।

कोर्ट ने दलीलों को सुनने के बाद कहा कि 19 नवंबर 2015 को एक जनहित याचिका पर राज्य सरकार को कानून के अनुसार चाइनीज मांझा की बिक्री, उपयोग व निर्माण पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार इस न्यायालय की ओर से जारी निर्देशों को पालन करने के लिए बाध्य है। राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जब पतंगबाजी चरम पर हो तो चीनी मांझा के निर्माण, उपयोग और बिक्री न हो जिससे पंक्षियों और मनुष्यों का जीवन खतरे में पड़े। इसी के साथ याचिका निस्तारित कर दी।

माघ मेले में दिखा सांस्कृतिक बदलाव का संगम

प्रयागराज। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर माघ मेले का आयोजन जारी है। प्रथम प्रमुख पुण्य स्नान यानी मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक भीड़ उमड़ पड़ी है। जो सांस्कृतिक बदलाव का स्पष्ट संकेत दे रहा है।

महाकुंभ के बाद आयोजित पहला माघ मेला इस बार मकर संक्रांति के पुणस्नान पर श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ के साथ समाज में एक गहरा सांस्कृतिक बदलाव का संकेत दे रहा है।

संगम की रेती पर उमड़े भक्तों का रेला सरकार और आयोजकों के अनुमानों से कहीं अधिक था। यह भीड़ केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में हो रहे परिवर्तन का भी परिचायक है।

साहित्य और संस्कृतिकर्मी रविनंदन सिंह ने माघ मेले के कल्पवास को भारतीय संस्कृति की प्रयोगशाला बताते हुए कहा है कि इसमें बड़ी संख्या में उच्च शिक्षित युवा, जिनमें कंपनी सीईओ और आईटी पेशेवर शामिल हैं, भाग ले रहे हैं। यह प्रयोग एक सांस्कृतिक क्रांति का स्वरूप ले चुका है, जहां आधुनिकता और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

इस बार माघ मेले में श्रद्धालुओं को पंचदिनी स्नान का अवसर मिला, जिसमें मकर संक्रांति, पारण स्नान और मौनी अमावस्या के स्नान शामिल हैं। प्रशासन द्वारा अनुमानित पांच से छह करोड़ भक्तों के स्नान के आंकड़े को पार करते हुए, इस मेले में संस्कारों का एक अनूठा प्रदर्शन देखने को मिला।

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव से लेकर शंकराचार्य पद पर विराजमान संत, और तकनीकी कौशल से बड़ी कंपनियां खड़ी करने वाले युवा, सभी ने सनातनी संस्कारों और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने में योगदान दिया। यहां न तो अधिक दिखावा था और न ही अनावश्यक बातचीत, केवल श्रद्धा और विश्वास के साथ पुण्य स्नान का माहौल था।

जहां श्चाय वाली दीदीश या श्गोल्डन ब्वॉयश जैसे वायरल होने के नुस्खे लेकर पहुंचे यूट्यूबर भीड़ में कहीं खो गए, वहीं किन्नर अखाड़े के सुधारक कार्य, आस्था के भरोसे खड़े संत, और पांच दिन का राशन जुटाकर संगम तक पहुंचने वाले श्रद्धालु लोगों की जुबान और सोशल मीडिया पर छाए रहे। संतों के शिविरों में वीआईपी के आने की बजाय, दस साल के बच्चे का कल्पवास चर्चा का विषय बना।

यह युवा पीढ़ी की अपनी जड़ों की ओर लौटने की प्रवृत्ति को दर्शाता है, जिसकी चर्चा आज अत्यंत आवश्यक है। यह मेला आस्था की गहराई और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है।

आस्था के पर्व पर पुण्य की डुबकी

प्रयागराज। शृंग्वेरपुर धाम में बुधवार को मकर संक्रांति के पूर्व श्रद्धालुओं ने गंगा में पुण्य की डुबकी लगाई। सोमवार भोर से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हुआ। सुबह धूप निकलने के साथ ही आस्थावानों की भीड़ घाट पर बढ़ती गई। श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने शृंग्वेरपुर धाम स्थित शृंगी ऋषि व मां शांता मंदिर में माथा टेका। जय श्रीराम और हर–हर गंगे के उद्घोष से पूरा धाम भक्तिमय हो गया। मान्यता है कि मकर संक्रांति से पूर्व गंगा स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है, इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे।भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। स्थानीय पुलिस चौकी प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि स्नान घाट पर जल पुलिस के साथ धाम के अन्य जगहों पर जवान लगातार गश्त करते रहे। स्नान घाटों पर विशेष सतर्कता बरती गई। प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज राघवेंद्र सिंह भी स्थिति का जायजा लेने पहुंचे।

अग्नि के चारों ओर सजी लोक संस्कृति, लोहड़ी ने बांधा भाईचारे का सेतु

प्रयागराज। वसंत ऋतु के स्वागत और नई फसलों की खुशियों का प्रतीक लोहड़ी मंगलवार की शाम थानापुर गांव के सामने सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया। अग्नि के चारों ओर जुटे लोगों ने तिल, गुड़, मूंगफली व चावल अर्पित कर सुख–समृद्धि की कामना की, लोकगीतों व नृत्यों के माध्यम से पर्व की रौनक बढ़ाई। लोहड़ी के दौरान महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक लोकगीत गाए। ढलती शाम के साथ ही अग्नि के चारों ओर लोगों की भीड़ रही। आयोजक पंजाब के रहने वाले इफको अधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि लोहड़ी नई फसल के आगमन पर ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने और परिवार में खुशहाली की कामना का पर्व है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर नवविवाहित दंपतियों और शिशुओं को उपहार दिए जाते हैं।

बड़वर हरियाणा निवासी इफको अधिकारी राजेश सिंह के पिता गजे सिंह ने कहा कि लोहड़ी केवल पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम है। उत्सव में महिलाओं ने रंग–बिरंगे पारंपरिक परिधान पहने।

कार्यक्रम के अंत में लोगों ने एक–दूसरे को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं। यहां इफको के जनसंपर्क अधिकारी स्वयं प्रकाश, प्रशांत गुप्ता, कृपाशंकर शुक्ला, शैलेश शेरकर, आशीष कुमार, आशीष गौतम, विनोद प्रभाकर, किरण बड़वर, रश्मि अग्रवाल, श्रीलता, सरस्वती गुप्ता, शशि लता, निगुण उपस्थित रहे।

खंभा लगा न खींचा तार... बिल आया नौ हजार

प्रयागराज। सौभाग्य योजना के तहत 2019 में मेजा के कई घरों में बिजली के कनेक्शन दिए गए। मीटर लगाए गए लेकिन न तो बिजली पहुंचाने के लिए खंभा लगाया गया न ही तार खींचा गया। छह साल बाद भी लोगों के घरों तक रोशनी नहीं पहुंची पर बिल भारी–भरकम भेज दिया गया। ऐसे में उपभोक्ताओं को विभाग के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

बिगहना गांव की फोटो देवी मजदूरी करती हैं। वर्ष 2019 में इनके घर में सौभाग्य योजना के तहत बिजली का मीटर लगाया गया था लेकिन छह वर्ष बाद भी रोशनी नहीं पहुंच सकी। इससे इतर विभाग ने बिजली का बिल जरूर भेज दिया। वह भी 8831 रुपये। बिजली बिल देख फोटो देवी के होश उड़ गए।

महिला ने कहा कि बिजली की रोशनी कभी भी नसीब नहीं हुई। फिर भी भारी–भरकम बिल आ गया। फोटो देवी ने कहा, विभाग के कर्मचारी बता रहे हैं कि एक मुश्त समाधान योजना के तहत लाभ लेकर बिल चुकता कर सकती हैं। महिला ने कहा कि जब बिजली ही नहीं मिली तो बिल कैसे दे दूं।

उन्होंने बताया कि घर तक बिजली का खंभा और तार भी नहीं लगाया गया है। फिर भी बिल भेज दिया गया है। फोटो देवी ने एसडीओ सत्य प्रकाश मिश्र से शिकायत की तो उन्होंने जेई शुक्लपुर को जांच सौंप दी। इसी तरह इलाके के कई गांवों में सौभाग्य योजना के तहत घरों में मीटर लगा दिए गए हैं अब तक लेकिन रोशनी नहीं पहुंच सकी है।

बोले अफसर

मामला संज्ञान में आने के बाद जांच की गई है। फोटो देवी का घर बस्ती से काफी दूर है। अभी तक बिजली का खंभा और तार नहीं खींचा जा सका है। बिजली बिल की शिकायत पर जांच कर रिपोर्ट एसडीओ को दे दी गई है। फोटो देवी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। – प्रदीप मिश्र, अवर अभियंता, विद्युत उपकेंद्र शुक्लपुर, मेजा।

नाली का पानी खोलने को लेकर विवाद, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। गहरपुर निवासी राम लखन मौर्या पुत्र महरानी दीन मौर्या ने सोमवार को सोरांव पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गांव में सरकारी नाली बनी है जिससे घरों का पानी नाली के रास्ते तालाब में जाता था। गांव के ही धर्मेंद्र कुमार साहू, मनबोध कुमार साहू, राजकुमार साहू और गुड्डा देवी ने नाली में मिट्टी डालकर उसे एक सप्ताह पहले बंद कर दिया था। जिस वजह से पानी सड़क पर फैल रहा था। जब राम लखन ने बंद नाली से मिट्टी निकालने की कोशिश की तो आरोपियों ने उससे गालीगलौज की। विरोध पर मारापीटा। वह जान बचाने के लिए घर में घुसा तो आरोपियों ने उसे वहां भी मारापीटा। ग्रामीणों के बीच–बचाव करने पर आरोपी फरार हो गए। मामले में सोरांव पुलिस ने मंगलवार को चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

खत्री वैवाहिक ग्रुप व उत्तर प्रदेश खत्री सभा द्वारा खिचड़ी वितरण

मुजफ्फरनगर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर खत्री वैवाहिक ग्रुप व उत्तर प्रदेश खत्री सभा के संयुक्त तत्वावधान में खिचड़ी व चाय प्रसाद का वितरण शामली रोड स्थित बल्लम सिंह हलवाई के बाहर किया गया। खत्री वैवाहिक ग्रुप के मुख्य

संस्थापक खत्री विपिन अरोरा द्वारा बताया गया कि इस ग्रुप के माध्यम से अब तक 321 रिश्ते हो चुके हैं. व यह सेवा पूर्णतः निशुल्क है। आज के कार्यक्रम में कार्यक्रम चेयरमैन खत्री डा नरेंद्र अरोरा (एडवोकेट), पुष्पेन्द्र अरोरा संस्थापक, नीरज अरोरा (कोषाध्यक्ष), अजय अनेजा (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), देवेन्द्र सेठ (कार्यकारी महामन्त्री), विकास अरोरा, अशोक अरोरा,अमित रैनसन, शिखर कपूर, काका, शुभम अरोरा, श्रीमति कमल जैन कार्यकारिणी सदस्य आदि का विशेष सहयोग रहा।

प्रयागराज की बेटी अंतरा गौतम ने बढ़ाया जिले का मान

प्रयागराज। मीरापुर के तिकोना पार्क क्षेत्र के पास रहने वाली मात्र पंद्रह वर्षीय अंतरा गौतम ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर डॉ. इंडियाज टॉप मॉडल : टीन एज का खिताब जीतकर प्रयागराज का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। यह

प्रतिष्ठित टीवी रियलिटी शो जयपुर में 8 से 11 जनवरी के बीच आयोजित हुआ, जिसमें देशभर से आई सैकड़ों टीन प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के विभिन्न चरणोंकृइंट्रो राउंड, टॉक राउंड और वॉक राउंडकृमें अंतरा का आत्मविश्वास और प्रस्तुति सराहनीय रही, लेकिन निर्णायक क्षण आया टैलेंट राउंड में, जहाँ उन्होंने अपनी भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति से निर्णायकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। उनकी नृत्य–भंगिमाओं में लय, ताल और भाव का ऐसा सुंदर समन्वय था कि मंच पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत सजीव हो उठी। अंतरा की यह प्रस्तुति न केवल तकनीकी रूप से सशक्त थी, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी दर्शकों और निर्णायकों से गहरा जुड़ाव बना पाई।

शो के निर्णायकों में केथ जैक्सन, जगदीश पुरोहित, करण विज और गौरव जैसे जाने–माने नाम शामिल थे, जिन्होंने अंतरा की प्रशंसा करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टैगोर पब्लिक स्कूल की कक्षा दसवीं की छात्रा अंतरा का कहना है कि नृत्य उसके लिए केवल एक कला नहीं, बल्कि आत्म–अभिव्यक्ति और साधना का माध्यम है।

इस उपलब्धि के साथ ही अंतरा को अब वियतनाम, फिलीपींस और सिंगापुर में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय शो में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। प्रयागराज की यह होनहार बेटी आज युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैकृजहाँ प्रतिभा, अनुशासन और संस्कृति एक साथ मंच पर चमकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने मायावती को दी जन्मदिन की शुभकामनाये

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती जी को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। श्री मौर्य ने कहा कि मायावती का सार्वजनिक जीवन भारतीय लोकतंत्र, उत्तर प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। श्री मौर्य ने ईश्वर से प्रार्थना की कि मायावती जी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की प्राप्ति हो तथा वे सदैव स्वस्थ रहें।

छावनी क्षेत्रों को नगर निगमों में मिलाने के पक्ष में नहीं यूपी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। राज्य सरकार कैंटोनमेंट छावनी क्षेत्रों को नगर निगमों में शामिल करने के पक्ष में नहीं है। सरकार चाहती है, कैंटोनमेंट क्षेत्रों की अलग पहचान व व्यवस्था बनी रहे। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने केंद्रीय बजट के संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा दिल्ली में बुलाई गई बैठक में कहा था कि कैंटोनमेंट क्षेत्र पृथक वैधानिक व्यवस्था के तहत संचालित होते हैं और सुव्यवस्थित, स्वच्छ तथा अनुशासित क्षेत्र होते हैं। इन्हें नगर निगमों में शामिल करना अनावश्यक अव्यावहारिक तथा प्रशासनिक जटिलताओं को जन्म देगा। खन्ना ने कहा कि भारतीय रेल की काफी जमीन अनुपयोगी या उस पर अवैध कब्जा है। भूमि को जनहित में उपयोग करने की राज्यों को अनुमति नहीं है। जनहित के लिए राज्यों को उसका उपयोग करने की सरल एवं व्यावहारिकअनुमति दी जाए। प्रदेश की पुलिस इकाइयों में श्एकीकृत शस्त्र एवं गोला बारूद प्रबंधन प्रणालीश् की स्थापना करने की बात भी रखी। यूपी जैस बड़े व संवेदनशील राज्यों में पुलिस बल को प्रभावी बनाने, आधुनिकीकरण के लिए शस्त्रों व गोला बारूद के वैज्ञानिक, सुरक्षित, पारदर्शिता प्रबंधन कीआवश्यकता है प्रदेश में सौर अनुसंधान केंद्र की स्थापना की बात रखते हुए केंद्र सरकार से सहायता देने की मांग की। राज्य की आयुद्ध निर्माणी इकाइयों के सारे संसाधन उपलब्ध हैं लेकिन पर्याप्त वर्क आर्डर न मिलने से इनकी उत्पादन क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है जिससे रोजगार प्रभावित हो रहा है। शीघ्र नीतिगत हस्तक्षेप किया जाए ताकि उचित कार्यादेश मिल सकें।

मुजफ्फरनगर में रोके गए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय

पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे, भंगेला चेक पोस्ट पर पुलिस ने रोका

मुजफ्फरनगर। मेरठ में रानू कश्यप की हत्या किए जाने के मामले में पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस प्रशासन ने भंगेला चेक पोस्ट पर पर रोक लिया। प्रशासन की रोक के चलते वे पीड़ित परिवार से मुलाकात नहीं कर सके।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को लखनऊ से मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए थे। वे 5 जनवरी 2026 को नृशंस तरीके से हत्या कर जला दिए गए रीनू कश्यप उर्फ सोनू (पुत्र स्व. सुरेंद्र कश्यप) के परिजनों से मिलने जा रहे थे। कांग्रेस का कहना है कि वह पीड़ित परिवार के साथ खड़ी होकर न्याय की मांग को मजबूती से उठाना चाहती है।

प्रशासनिक रोक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान सईद और पूर्व सांसद सईदुजमा ने वीडियो कॉल के माध्यम से अजय राय की पीड़ित परिवार से बातचीत कराई। वीडियो कॉल के जरिए अजय राय ने परिवार को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में उनके साथ है और न्याय दिलाने की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि दोषियों को कठोरतम सजा दी जाए, पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिले, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, सुरक्षा प्रदान की जाए और मामले की जांच ब्ठक् से कराई जाए।

उन्होंने कहा कि यह दौरा राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर किया गया था, लेकिन प्रशासनिक कारणों से उन्हें रोका गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जिला अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक रोक के चलते अजय राय को अंततः लौटना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह मामला लखनऊ में जोर–शोर से उठाया जाएगा।

कांग्रेस ने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि वह पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई से पीछे नहीं हटेगी। मौके पर अकील राणा अनमोल जैन, दिनेश पाल, उमर वकील एडवोकेट, अफसर, फखरुद्दीन और मनसब चौधरी, ईश्वर सिंह मोरना ब्लॉक अध्यक्ष, गफ्फार त्यागी जी पार्टी कारी नासिर साहब नितिन बारूकी, जय भगवान टोंक, राकेश पुंडीर सहित कई नेता मौजूद रहे।

सोनू हत्या कांड को लेकर मोहन प्रजापति का मार्च रद्द, बैठक में पहुंचें अधिकारी

मुजफ्फरनगर। आज भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के कार्यालय पर सोनू हत्याकांड को लेकर विरोध मार्च निकालने को लेकर बैठक की अत्याचार शोषण चरम सीमा पर है जिसका उदाहरण मेरठ में दबंगों द्वारा सोनू कश्यप को जिंदा जलाकर मार दिया गया वही पुलिस आरोपियों को बचाने रही है और प्रदेश सरकार हाथ पैर हाथ धरे बैठी है उन्होंने भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि जिस तरह प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य समाज के

सरकार अति पिछड़ा वर्ग के लोगों ने बनाई है लेकिन इसी वर्ग के साथ अत्याचार व शोषण हो रहा है जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए मांग की है कि सोनू कश्यप हत्या कांड की सीबीआई जांच कराई जाए व सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए व मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व 50 लाख रुपए आर्थिक मदद के रूप में ओर पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश वालिया,जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह पाल, पश्चिम प्रभारी इंद्रपाल प्रजापति, वरिष्ठ नेता सुखपाल कश्यप,जिला प्रभारी विजय पाल, वरिष्ठ नेता रामनिवास प्रजापति एडवोकेट, प्रभारी श्याम सुंदर प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष शादाब कुरेशी, वरिष्ठ नेता विकास पाल,महासचिव रजत प्रजापति, रवि पाल,युवा जिला अध्यक्ष गौतम सैन, राजीव पाल, कृष्णपाल सेन, अशोक प्रधान, राहुल प्रजापति, अजय सैनी, जल सिंह फौजी, योगेन्द्र प्रजापति, नरेश विश्वकर्मा, प्रवीण कश्यप आदि।

गई जिसको प्रशासन के निवेदन पर रद्द कर विरोध में बैठक की गई बैठक में पहुंचें सिटी मजिस्ट्रेट वे अन्य अधिकारियो ने ज्ञापन लिया राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने कहा है कि इन दिनों प्रदेश में अति पिछड़ा वर्ग के लोगों पर दबंगों द्वारा में लगी है जिसकी वजह से समाज में भारी रोष है वहीं प्रदेश में अति पिछड़ा वर्ग वे दलित वर्ग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है क्योंकि जिलेवार दबंगों द्वारा अति पिछड़े वर्ग को निशाना बनाकर उनकी हत्या की जा लोगों पर बुलडोजर वे एनकाउंटर जैसी कार्रवाई करते है अगर मुख्यमंत्री में दम है तो सोनू कश्यप व दलित बेटी के अपहरण वे उसकी माता के हत्यारों के खिलाफ भी बुलडोजर वे एनकाउंटर जैसी कार्रवाई कराए उन्होंने कहा है कि भाजपा

सीएम योगी ने अर्पित की गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी

शिवावतार महायोगी से की नागरिकों के सुखमय जीवन की मंगलकामना

लखनऊ, संवाददाता। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। शिवावतार महायोगी से लोकमंगल तथा नागरिकों के सुखमय–समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की।महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मीडिया से मुखातिब मुख्यमंत्री ने कहा कि खिचड़ी के साथ ही पूरे प्रदेश में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र धर्मस्थलों पर जाकर आस्था को नमन कर रहे हैं। गोरखपुर में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने महायोगी भगवान गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। लाखों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के संगम में आस्था की पवित्र डुबकी भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलसिला लगातार आज गुरुवार को भी जारी है। आज गुरुवार को गोरखपुर में भगवान गोरखनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन पंक्ति में लगकर श्रद्धापूर्वक खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी प्रातः 4 बजे गोरखनाथ मंदिर की विशिष्ट पूजा संपन्न होने के उपरांत भगवान गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। गोरखनाथ मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन आए हुए हैं। मकर संक्रांति भारत के पर्व और त्योहारों की परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। वास्तव में सूर्यदेव इस जगत की आत्मा हैं। जगतपिता सूर्य की उपासना का यह पर्व, हर प्रकार के शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए प्रशस्ति तिथि माना जाता है। आज के बाद सनातन धर्म की परंपरा में सभी मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि सूर्य का जो अयन

वृत्त है, ज्योतिषीय परंपरा के अनुसार वह 12 विभिन्न भागों में विभाजित है। एक राशि से दूसरी राशि में सूर्यदेव के संक्रमण को संक्रांति कहा जाता है और जब धनु राशि से मकर राशि में भगवान सूर्य का संक्रमण होता है तो यह मकर संक्रांति कहलाता है। मकर राशि से अगले छह माह तक यानी मिथुन राशि तक सूर्य भगवान उत्तरायण रहेंगे।

उत्तरायण का जो समय होता है, उसमें दिन बड़े और रात्रि छोटी होती है। जीवंतता के लिए सूर्य का प्रकाश कितना महत्वपूर्ण है और भारत की ऋषि परंपरा ने इसे कितना महत्व दिया है, इसका अनुमान इस पर्व के माध्यम से लगाया जा सकता है। मकर संक्रांति एक ऐसा पर्व है, जो देश के अंदर पूरब, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण, सभी हिस्सों में अलग–अलग नाम व रूप में आयोजित होता है। पूरब में बिहू या तिलवा संक्रांति, पश्चिम में लोहड़ी, दक्षिण भारत में पोंगल और उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में मकर संक्रांति का आयोजन बड़ी श्रद्धाभाव के साथ किया जाता है।

है गंगा का तीर

(कुण्डलिया)

संगम से श्मशान तक, है गंगा का तीर।
चिन्तन का है यह विषय, कहते साधु–फ़कीर।
कहते साधु फ़कीर, समझ लो इसका दर्शन।
है जीवन का सार, माघ करता है वर्णन।
सुन लो कहें प्रदीप,यही है सुन्दर सत्यम।
सबसे कहता माघ, नहाकर पावन संगम।।

बात अनोखी है मगर, करते सब स्वीकार।
माया की दुनिया अलग, अलग रीति व्यवहार।
अलग रीति व्यवहार, माघ बतलाता जिसको।
पावन तीर्थ प्रयाग, वही समझाता सबको।
सुन लो कहें प्रदीप, बात सुन चोखी चोखी।
माया छोड़े साथ, मोक्ष की बात अनोखी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कृष्णानगर से 13 वर्षीय बच्ची लापता,मां ने थाने में दर्ज कराई गुमशुदगी की रिपोर्ट

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के कृष्णानगर क्षेत्र से 13 वर्षीय बच्ची नैन्सी लापता हो गई है। उसकी मां गोमती ने कृष्णानगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू कर दी है। हरि ओम नगर, गली नंबर 01 की निवासी गोमती ने बताया कि उनकी बेटी नैन्सी दोपहर करीब 2 बजे घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। गोमती एक निजी नौकरी करती हैं और घटना के दिन सुबह काम पर गई थीं, उस समय उनके तीनों बच्चे घर पर थे। जब गोमती शाम को घर लौटीं, तो नैन्सी वहां नहीं थी। उन्होंने आसपास और रिश्तेदारों के यहां काफी खोजबीन की, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने कृष्णानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बच्ची का हुलिया भी बताया गया है। नैन्सी का रंग सांवला है, कद लगभग 4.5 फीट है। उसने लाल स्वेटर और शाल रंग के कपड़े पहने हुए हैं, साथ ही पैरों में जूते भी हैं।

डिप्टी सीएम ने खाई खिचड़ी, गोमती किनारे, पुराने शहर में पतंगबाजी का जमघट

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मकर संक्रांति पर लड़कियां भी पतंगों की पेच काट रही हैं। गोमती घाटों पर और पुराने शहर में पतंगबाजी का जमघट लगा हुआ है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक आयोजन में पहुंचकर खिचड़ी खाई। पार्षद अन्नू मिश्रा ने कुड़िया घाट पर पतंग उड़ाई। बच्चे छतों, गलियों और गोमती घाटों पर पतंग उड़ा रहे हैं। पतंगबाजी में कुड़िया घाट सबसे बड़ा स्पॉट है। कुड़िया घाट पर पतंगबाजी के लिए कुछ स्कूल मैनेजमेंट अपने स्टूडेंट्स को लेकर पहुंचे। यहां पहुंचे बच्चों ने बताया यह पहली बार है जब स्कूल के दोस्तों के साथ पतंग उड़ा रहे हैं। इस्कॉन मंदिर ने शहर में कुल 9 जगहों पर सवा लाख लोगों को खिचड़ी का प्रसाद खिलाने के लिए भंडारा लगाया है। कई जगह आम लोगों ने भी खिचड़ी भोज का आयोजन किया है। हजरतगंज में पुलिसवालों ने जरूरतमंदों को मिठाई खिलाकर उनको कंबल बांटे। केजीएमयू में सरस्वती मंदिर गार्डन में मेडिकल स्टूडेंट्स ने पतंग उड़ाई और पेच लड़ाए। कैंपस में रह रहकर वो काटा की आवाजें गूंजती रहीं। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सरोजनीनगर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल की एयरपोर्ट शाखा ने खिचड़ी प्रसाद वितरण किया।

'लालो कृष्ण सदा सहायते' ने लखनऊ में दर्ज की शानदार मौजूदगी

लखनऊ, संवाददाता। जब अतीत के बोझ से दबा एक व्यक्ति आस्था में अपना मार्गदर्शक पाता है, तब जन्म लेती है एक असाधारण कहानी। गुजराती बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सफलता दर्ज करने के बाद लालो कृष्णा सदा सहायते अब देशभर में हिंदी दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़ रही है। इसी कड़ी में फिल्म के अभिनेता श्रुहद गोस्वामी, करन जोशी निर्देशक अंकित सखिया फिल्म के प्रचार के लिए नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे।यह फिल्म मैनिफेस्ट फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत की गई है इसके निर्माता हैं पडारिया और जय व्यास साथ ही फिल्म में कलाकार के रूप में, रीवा रच्छ, श्रुहद गोस्वामी, करण जोशी, निर्देशक अंकित सखिया मौजूद हैं.लखनऊ प्रवास के दौरान कलाकारों ने शहर की मशहूर लखनवी चाट और चाय का स्वाद लिया तथा वेव मॉल में प्रशंसकों से मुलाकात की।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्राप्ण निविदा सूचना संख्या-04/2026 — दिनांक-14.01.2026

ई-प्राप्ण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्राप्ण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.म.डी. ₹	निविदा खुलने की तिथि
19258726	ट्रैक्शन मोटर टाइप Hitachi 15250A के लिए कम्यूटेटिंग पोल असेंबली का सेट।	26 सेट	₹ 238080/-	16.02.2026

नोट- 1. उपरोक्त सभी ई प्राप्ण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप मे बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

91/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्राप्ण निविदा सूचना संख्या : 03/2026 — दिनांक : 13.01.2026

ई-प्राप्ण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्राप्ण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : 19265124	मात्रा : 27 सेट
विवरण : हाइड्रोलिक रेल टैंसर (गैर-उल्लंघनकारी) 70 टी क्षमता।	
ई.म.डी. रू0 : 1,30,830/-	निविदा खुलने की तिथि : 10.02.2026

नोट - 1. उपरोक्त सभी ई प्राप्ण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। • उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। • किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

90/26 (AS)

@CPRONCR | North central railways | @cpronorly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

हरियाणा का भूजल-संकट

निस्संदेह, हरियाणा ने कृषि की उन्नति में नये मानक स्थापित किए हैं। देश की खाद्य सुरक्षा में इस राज्य के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कृषि क्षेत्र में कारगर रणनीतियों व आधुनिक तकनीकों ने हरियाणा के किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। लेकिन इससे इतर एक चिंताजनक स्थिति यह है कि राज्य में भूजल संकट एक खतरनाक स्तर को पार कर रहा है। बताया जा रहा है कि राज्य के तीस फीसदी से अधिक गांव भूजल संकट के खतरे की जद में हैं। विडंबना यह है कि इन क्षेत्रों में भूजल का दोहन पुनर्भरण से कहीं अधिक है। जो राज्य में चेतावनी के संकेत स्पष्ट कर रहे हैं। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में व्यापक बदलाव आया है। जिस अनियमित बारिश को कभी मौसमी समस्या माना जाता था, वह अब एक संरचनात्मक संकट में बदल गयी है। निश्चित रूप से मानसून व बारिश की आवृत्ति में अनिश्चितता के चलते कृषि, पेयजल सुरक्षा व दार्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिये खतरा पैदा हो गया। बारिश की कमी की पूर्ति भूजल के अंधाधुंध दोहन से की जाती है। वैसे इस संकट के मूल में समस्या की वजह पानी की अत्यधिक खपत करने वाला विकास मॉडल भी है। पिछले दशकों में धान व गेहूं की उत्पादकता पर किसानों की निर्भरता अत्यधिक बढ़ी है। जिसमें बहुत सिंचाई की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक समीकरणों के चलते किसानों को लुभाने के लिये मुफ्त या रियायती बिजली का चलन भी बढ़ा है। जिससे भूजल के अंधाधुंध दोहन को बढ़ावा ही मिला है। विडंबना यह है जैसे-जैसे भूजल का स्तर गिरता है, ट्यूबवेल हर साल और गहरे खोदे जाते रहे हैं। कोशिश होती रही है कि इससे जल संकट बढ़ने से पानी की कमी पर पर्दा पड़ा रहे। यही वजह है कि इसका नकारात्मक असर आज मध्य और दक्षिण हरियाणा के बड़े क्षेत्र में दिखायी दे रहा है। जहां जलस्तर खतरनाक स्तर तक गिरता नजर आ रहा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा में तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण ने जल संकट को और गहरा कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बहुत तेजी से हुए शहरीकरण ने भूजल का दोहन उसकी स्थायी सीमा से बहुत अधिक हद तक बढ़ाया है। इस बेलगाम भूजल दोहन पर नियामक संस्थाओं की निगरानी ना के बराबर है। वहीं एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि तेजी से बढ़ते कंक्रीटीकरण और आर्द्र भूमि के क्षरण से भूजल का प्राकृतिक पुनर्भरण बाधित हुआ है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तनशीलता, अनियमित मानसून और घटते वर्षा दिवसों ने भूजल पुनर्भरण को और अधिक कम कर दिया है। जिसके चलते जलभंडारों के पुनर्जीवित होने की संभावनाएं लगभग क्षीण हो गई हैं। भूजल स्तर में गिरावट का खमियाजा किसानों को भी उठाना पड़ रहा है। खेतों के लिये सिंचाई जल उपलब्ध कराने की लागत में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दरअसल गहरे बोरवेल के लिये अधिक बिजली और अधिक निवेश की आवश्यकता होती है। यही वजह है कि ग्रामीण पेयजल योजनाएं स्थिति से निपटने के लिये संघर्ष कर रही हैं। दूसरी ओर कम गुणवत्ता वाले जलभंडारों तक जल-दोहन की स्थिति पहुंचने से प्रदूषण का खतरा बढ़ा है। निस्संदेह, इस संकट को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि इस सकंट की अनदेखी करके स्थिति को अनियंत्रित छोड़ दिया जाएगा तो इसके व्यापक नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। इससे जहां एक ओर आजीविका का संकट बढ़ेगा, वहीं फसलों को लेकर अस्थिरता होगी और कालांतर जल को लेकर सामाजिक संघर्ष उत्पन्न हो सकता है। हालांकि, इस संकट के समाधान को लेकर नीतिगत उपाय मौजूद हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। फसल विविधीकरण योजनाएं और पुनर्भरण परियोजनाएं सही दिशा में उठाये गए कदम हैं, लेकिन उनका पैमाना और कार्यान्वयन चुनौती के अनुरूप नहीं है। भूजल प्रबंधन, मांग में कमी की तुलना में आपूर्ति बढ़ाने पर अधिक केंद्रित रहा है। निश्चित रूप से हरियाणा को अपनी जल प्राथमिकताओं को तत्काल पुनर्निधारित करने की आवश्यकता है। जरूरत है कम पानी की फसलों को प्रोत्साहित करें, बिजली सब्सिडी युक्तिसंगत बने, शहरी व वाणिज्यिक उपयोग के लिये जल दोहन सख्ती से विनियमित हो व पुनर्भरण क्षेत्रों की रक्षा की जाए।

असम में गोगोई और विश्वशर्मा भिड़े

इस साल जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, वहां पक्ष-विपक्ष में भिड़ंत कुछ अलग तरीके से दिख रही है। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों से ज्यादा उन मुद्दों को उठा रहा है जिससे वोट की राजनीति मजबूत होती हो और विपक्ष भी तिकड़म वाले मामले उठाने का प्रयास करता है। पश्चिम बंगाल और असम में यह बात साफ तौर पर देखी जा सकती है। कोलकाता में एक फर्म (आई-पैक) के कार्यालय और उसके निदेशक के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा तो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इसे राजनीतिक बदले की भावना से मारा गया छापा बताया। इतना ही नहीं ममता बनर्जी ने मुख्य विपक्षी दल भाजपा को सीधे-सीधे चुनौती दी कि वह तृणमूल को लोकतांत्रिक मंच पर पराजित करके दिखाये। इसी प्रकार असम में भी मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को मुख्य विपक्षी कांग्रेस के नेता और राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सत्ता से हटाने की मुहिम चला रखी है। गोगोई ने विपक्षी दलों को एक साथ जोड़ रखा है। उधर, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गोगोई की पत्नी और बच्ची की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर मुहिम खोल रखी है। विश्व शर्मा कहते हैं कि गोगोई की पत्नी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की एजेंट है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई के पाकिस्तानी संबंधों का विवरण इसी महीने के भीतर सामने आ जाएगा। सीएम हेमंत शर्मा ने विपक्षी नेता की पत्नी और बच्चों की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर भी उनकी कड़ी आलोचना की है। सीएम हेमंत शर्मा ने दावा किया कि असम के लोग ऐसे व्यक्ति को कभी भी अपने बोर घोर (पवित्र स्थान) में प्रवेश नहीं करने देंगे। सीएम शर्मा और भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेता कांग्रेस के लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई पर यह आरोप लगाते हुए लगातार निशाना साध रहे हैं कि उनकी पत्नी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ संबंध हैं।

बता दें कि गौरव गोगोई असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे हैं। गौरव गोगोई राज्य में कांग्रेस के प्रमुख नेता हैं। वे कांग्रेस के लोकसभा में उपनेता विपक्ष हैं। गोगोई असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी हैं। जनवरी 2026 में वे असम विधानसभा चुनाव की तैयारियों में सक्रिय हैं, जहां वे विपक्षी एकता को मजबूत करने और बीजेपी सरकार पर हमला बोल रहे हैं।बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले असम की सियासत से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। यहां अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी दल गोलबंद हो रहे हैं। सभी दल बीजेपी के खिलाफ एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इसका ऐलान राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने किया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी के कुशासन से मुक्ति दिलाने के लिए विपक्षी दल 2026 असम विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे। गोगोई ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने (विपक्षी दलों ने) विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की। असम के लोगों को भाजपा के अत्याचार और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अन्याय से मुक्त कराने के लिए हम सभी एकजुट हैं। हम 2026 का विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य मुद्दे भी हैं, जिनके बारे में आने वाले दिनों में धीरे-धीरे जनता को जानकारी दी जाएगी। आठ पार्टियों में कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी (माकपा), रायजोर दल, असम जातीय परिषद, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी- लेनिनवादी) लिबरेशन, जातीय दल-असोम (जेडीए) और कार्बी आंगलोंग स्थित ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) शामिल है। बैठक को लेकर रायजोर दल के विधायक अखिल गोगोई ने बताया कि आने वाले समय में सभी विपक्षी दल सभी प्रमुख मुद्दों पर समन्वित दृष्टिकोण अपनाएंगे। विपक्षी दलों के साझा घोषणापत्र पर विचार-विमर्श होगा। उन्होंने कहा, ''इस विपक्षी एकता में एआईयूडीएफ बिल्कुल भी शामिल नहीं होगी। यह भाजपा की तरह ही सांप्रदायिक पार्टी है। यह विपक्षी गठबंधन किसी भी प्रकार की सांप्रदायिकता के सख्त खिलाफ है।

अगले साल 2026 में असम में विधानसभा के चुनाव होने हैं। राज्य में पिछले 10 वर्षों से बीजेपी की अगुवाई में एनडीए की सरकार है। राज्य में विधानसभा की कुल 126 सीटें है। इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 74 सीटें मिली थीं। बीजेपी ने 60 सीटों पर जीत हासिल की थी और 33.2 फीसद वोट मिले थे। वहीं असम गण परिषद को 9 सीटें हासिल हुई थीं जबकि यूपीपीएल को 6 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं यूपीए को कुल 50 सीटों मिली जिनमें कांग्रेस ने 29 सीटें हासिल कीं। एआईयूडीएफ को 16 सीटें मिलीं। लोकसभा में मानसून सत्र के छठे दिन ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा हुई थी। चर्चा की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। वहीं, विपक्ष की तरफ से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सबसे पहले अपनी बात रखी। गौरव गोगोई ने कहा कि पहलगाम हमले को 100 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक आतंकी पकड़े नहीं गए हैं। सरकार के पास सभी तरह की सुविधाएं हैं, लेकिन अब तक आतंकियों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।गौरव गोगोई ने कहा, आखिरकार पहलगाम हमले की जिम्मेदारी कौन लेता है? जम्मू-कश्मीर के एलजी। अगर किसी को जिम्मेदारी लेने की जरूरत है, तो वह केंद्रीय गृह मंत्री हैं। गृह मंत्री और केंद्र सरकार एलजी के पीछे नहीं छिप सकते। सरकार इतनी कमजोर और कायर है कि उसने कहा कि टूर ऑपरेटर लोगों को सरकारी अनुमति या लाइसेंस के बिना बैसारन ले गए। वह हादसे के लिए जिम्मेदार हैं। पीएम मोदी सऊदी अरब से वापस आ गए, लेकिन उन्होंने पहलगाम का दौरा नहीं किया। उन्होंने एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लिया और बिहार में एक राजनीतिक रैली को संबोधित किया। अगर कोई पहलगाम गया, तो वह हमारे नेता राहुल गांधी थे। इस प्रकार गोगोई ने भाजपा सरकार को घेरा था। कांग्रेस सांसद ने कहा बैसरन, जहां हमला हुआ था, वहां एम्बुलेंस को पहुंचने में लगभग 1 घंटा लगा। सेना पैदल आई थी। मैं वो दृश्य नहीं भूल सकता, जब एक मां और उसकी बेटी ने एक भारतीय सैनिक को देखा तो वे रोने लगीं। उन्हें लगा कि बैसरन में लोगों को मारने वाला सैनिक की वर्दी पहने आतंकवादी उनका इंतजार कर रहा है। उस सैनिक को कहना पड़ा कि वह एक भारतीय है, और आप सुरक्षित हैं। वहां के लोगों में इस तरह का आतंक था। इतना ही नहीं असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नीत राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ मोर्चे को केवल सत्ता, धन, भूमि और सिंडिकेट की परवाह है, जिसकी वजह से गुवाहाटी में विनाशकारी बाढ़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। गोगोई ने इस स्थिति के लिए मुख्य कारण सत्तारूढ़ पार्टी के करीबी मंत्रियों और लोगों द्वारा आर्द्रभूमि पर किए गए अतिक्रमण को बताया।लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने शिवसागर से नागांव तक 250 किलोमीटर लंबी यात्रा भी की। यात्रा के दौरान हजारों समर्थकों के साथ उनका काफिला शाम को जोरहाट और गोलाघाट से गुजरा। शिवसागर शहर में ऐतिहासिक शिव दौल (मंदिर) के दर्शन करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए गोगोई ने कहा, यह सरकार सत्ता, धन, भूमि हड़पने और सिंडिकेट में गहराई तक लिप्त है। गौरव गोगोई ने कहा, गुवाहाटी में बीजेपी की नीति धन और जमीन के लालच पर आधारित है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के लंबे समय तक गुवाहाटी के विकास मंत्री रहे। अब उनके करीबी सहयोगी मंत्री हैं, लेकिन बीजेपी के मंत्रियों को जल निकायों के संरक्षण और जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने से ज्यादा अपने घर तक जाने वाली सड़क की चिंता है। (हिफी)

अमेरिका-यूरोप के गठजोड़ में टूट का हम फायदा उठाएं

मिन्हाज मर्चेंट

डेनमार्क के सम्प्रभु क्षेत्र ग्रीनलैंड पर ट्रम्प की हमले की धमकी ने नाटो के सदस्य देशों के बीच सैन्य टकराव का खतरा पैदा कर दिया है। 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन के अनुच्छेद-5 के तहत यदि किसी सदस्य देश पर हमला हो तो दूसरे सदस्यों को उसकी रक्षा करनी होती है। हालांकि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे नाटो सदस्य अमेरिका से टकराने का जोखिम शायद ही उठाएंगे। लेकिन आखिर अमेरिका को ग्रीनलैंड क्यों चाहिए? क्योंकि इस आर्कटिक द्वीप की तीन बड़ी खूबियां हैं। पहली, आर्थिक रू ग्रीनलैंड में पर्याप्त तेल और खनिज भंडार हैं। दूसरी, सुरक्षागत रू ग्रीनलैंड रूसी और चीनी नौसेनाओं तथा उनके लड़ाकू विमानों पर लगतार निगरानी रख सकता है, क्योंकि वे लगातार इस द्वीप के ऊपर से गुजरते हैं। तीसरी, लॉजिस्टिक्स सम्बंधी रू ग्रीनलैंड यूरोप व एशिया के बीच कम समय लेने वाले आर्कटिक समुद्री मार्ग मुहैया कराता है। ये व्यापार के साथ भविष्य के सैन्य अभियानों के लिए भी अहम है। ट्रम्प कहते हैं कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करेगा, चाहे सख्त रास्ता ही क्यों ना अपनाना पड़े। यूरोपीय देश इससे चिंतित हैं। ग्रीनलैंड की आबादी मात्र 57 हजार है, लेकिन उसके लोग अमेरिका का हिस्सा बनने के खिलाफ हैं। 18वीं सदी से ही ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने अपना रुख साफ कर दिया है कि ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक कब्जे की कोशिश नाटो के अंत की घोषणा होगी। नाटो के सदस्य अन्य यूरोपीय नेताओं ने भी फ्रेडरिक्सन का समर्थन किया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि 'ग्रीनलैंड का भविष्य वहां के लोगों और डेनमार्क द्वारा ही तय किया जाएगा।' लेकिन ट्रम्प ने यूरोप की आपत्तियां खारिज कर दी हैं। उन्हें तो अमेरिका-यूरोप गठबंधन के संभावित विघटन की भी ज्यादा चिंता नहीं है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही पश्चिम के तमाम भू-राजनीतिक सिद्धांतों का आधार रहा है। ट्रम्प के लिए अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र वाले पश्चिमी गोलार्ध का महत्व अटलांटिक महासागर के पार वाले पुराने यूरोप से कहीं अधिक है। भू-भागों पर जबरन कब्जा करने का अमेरिका का लंबा इतिहास रहा है। अमेरिका में आए शुरुआती ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने वहां सदियों से रह रहे मूल अमेरिकियों से उनकी जमीन हथिया ली थीं। आजादी के बाद अमेरिका ने 1846-48 में मैक्सिको से युद्ध लड़ कर कैलिफोर्निया और टेक्सास समेत उसकी आधी भूमि कब्जा ली थी। उससे पहले 1803 में अमेरिका ने फ्रांस से लुइसियाना और 1867 में रूस से अलास्का खरीद लिया था। ऐसे में ग्रीनलैंड पर कब्जा करना भी उसके औपनिवेशिक डीएनए का ही हिस्सा है। अमेरिका और यूरोप के बीच ऐतिहासिक रिश्तों का कमजोर होना भारत के लिए भू-राजनीति के नए विकल्प खोलता है। 2030 तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। भारत का 60 करोड़ मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं का बाजार अमेरिका और ईयू के कुल उपभोक्ता बाजार से भी बड़ा है। चीन में अहम तकनीकी उद्योगों से बहिष्कृत और अमेरिका में भारी टैरिफ का सामना कर रहीं यूरोपीय कंपनियों के लिए भारत का यह विशाल बाजार एक आकर्षक पेशकश करता है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं की खरीद-क्षमता अभी सीमित है, लेकिन उनकी खर्च योग्य आय अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के उपभोक्ताओं की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। आज जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका-यूरोप का पश्चिमी गठबंधन टूट रहा है तो भारत को इस मौके का फायदा उठाते हुए 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी में और छूट देनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि इस निर्णायक दौर में आर्थिक सुधारों की रफ्तार और तेज कर दी जाए। आज जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप का पश्चिमी गठबंधन टूट रहा है तो भारत को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। हम आगामी 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी में और छूट दे सकते हैं।

ओवैसी की शरारत या सियासत

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 10 जनवरी को सोलापुर में एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला भी बनेगी भारत की प्रधानमंत्री। इतना ही नहीं उन्होंने भारत-पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था की भी तुलना की। ओवैसी ने कहा संविधान में सभी नागरिकों की समानता पर जोर दिया गया है। महाराष्ट्र नगरीय निकाय चुनाव के लिए प्रचार के दौरान ओवैसी ने यह बयान दिया। उनके इस एक बयान ने सियासत में भूचाल मचा दिया है। चर्चा इस बात की है कि ओवैसी का यह बयान साम्प्रदायिक शरारत है अथवा विशुद्ध सियासत। महाराष्ट्र के निगम चुनाव प्रचार में एक के बाद एक विवादित मुद्दे सामने आ रहे हैं। पहले मराठी-हिंदू का मुद्दा उठा। उसके बाद मुस्लिम मेयर और हिंदू मेयर का मुद्दा। फिर 20 बच्चे पैदा करने का मुद्दा आने के बाद अब हिजाब वाली महिला प्रधानमंत्री बन सकती है वाला बयान एआईएमआईएम मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने दिया है। सोलापुर में प्रचार के दौरान ओवैसी ने कहा- एक दिन ऐसा आएगा कि हिजाब पहने हुए हमारी महिला देश की प्रधानमंत्री बनेगी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के संविधान का जिक्र भी किया। एआईएमआईएम मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान के संविधान में एक ही समाज का व्यक्ति राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बन सकता है मगर, भारत के संविधान में सभी समाज के लोगों को समान अधिकार है। पाकिस्तान के संविधान में लिखा है कि पाकिस्तान का प्रधानमंत्री एक ही धर्म का बनेगा। मगर, बाबा साहब आंबेडकर का संविधान कहता है कि कोई भी भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब भारत का प्रधानमंत्री हिजाब पहने महिला बनेगी। एक दिन ऐसा आएगा हम नहीं रहेंगे आप नहीं रहोगे, हो सकता है कि कब्र में हमारी हड्डियां भी गल जाएं। मगर एक दिन ऐसा आएगा कि हिजाब पहनने वाली हमारी महिला देश की प्रधानमंत्री बनेगी। अरे नफरत करने वालो तुम कितनी नफरत करोगे।ओवैसी ने कहा, इनसे पूछो तेल के दाम सोलापुर में 105 रुपये है तो कहते है वो देखो बांग्लादेशी। इनसे कहो काम नहीं हो रहा तो कहते हैं कि देखो वहां बांग्लादेशी। अरे क्या आपके अब्बा बताने आए थे कि वो बांग्लादेशी हैं। ओवैसी क

इस बयान का कैबिनेट मंत्री नितेश राणे और बीजेपी नेता अमित साटम ने विरोध किया है। एआईएमआईएम मुखिया असदुद्दीन ओवैसी पर हमलावर बीजेपी नेताओं (नितेश राणे और अमित साटम) ने कहा, 2047 में हम चाहते हैं कि देश हिंदू राष्ट्र हो लेकिन ओवैसी जैसे लोग क्या चाहते हैं, ये सुन लो। ये हिजाब वाली महिला को पीएम बनाना चाहते हैं और देश को मुस्लिम राष्ट्र बनाना चाहते हैं। बीएमसी चुनाव में बीजेपी का एक भी प्रत्याशी मुस्लिम समाज से नहीं हैं, हालांकि पार्टी ने एक जगह से उम्मीदवार उतारा था। मुंबई में मुस्लिम वोटर्स की संख्या 25.6 प्रतिशत जबकि उपनगरों में 19. 19 प्रतिशत है। साल 2017 के चुनाव में सभी दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों को मिलाकर कुल 360 मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में थे। जबकि इस बार 334 प्रत्याशी मैदान में हैं। सभी की नजर देश के सबसे अमीर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव पर ही टिकी है।

इस बार बीएमसी चुनाव में धार्मिक माहौल ज्यादा दिखाई दे रहा है, बावजूद इसके मुस्लिम उम्मीदवारों का औसत प्रतिनिधित्व लगभग पहले जैसा ही बना हुआ है। इस बार मुंबई में अलग-अलग राजनीतिक दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों को मिलाकर कुल 334 मुस्लिम उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

सऊदी अरब और यू.ए.ई. के बीच तनाव भारत के लिए क्यों मायने रखता है?

के.पी. नायर

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का घनिष्ठ मित्रतापूर्ण संबंधों से प्रतिद्वंद्वी बनने का परिवर्तन नई दिल्ली के लिए सतर्कता की मांग करता है। भारत-कनाडा संबंधों में बरती गई लापरवाही या 2024 में डोनाल्ड ट्रम्प के अमरीकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद से भारत- अमरीका के बीच औपचारिकता की पूर्ण कमी को खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) के सदस्य देशों में नहीं दोहराया जाना चाहिए। पिछले 10 वर्षों में भारत की कूटनीति के लिए संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ संबंधों का विस्तार एक शानदार सफलता रही है। लेकिन जैसा कि बंगलादेश ने पिछले साल दिखाया, विदेश नीति कभी स्थिर नहीं होती। पहले भारत इन नव-धनी देशों में बन रही विशाल, पैट्रोडॉलर-वित्त पोषित निर्माण परियोजनाओं, जैसे आवास से लेकर रिफाइनरियों तक, के लिए बड़ी संख्या में गैर-राजनीतिक और भरोसेमंद श्रम का स्रोत मात्र था। भारत अब एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, न कि मध्य स्तर का विकासशील देश। खाड़ी देशों में तेजी से बदलती परिस्थितियों की भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत में पहले समय की परिस्थितियां खाड़ी देशों की परिस्थितियों के अनुकूल नहीं थीं, सिवाय भारत की आयाओं, भारवाहकों, रसोइयों और चालकों (जिन्हें स्थानीय रूप से ए.बी.सी.डी. कहा जाता था) के लिए काम तलाशने के। संयुक्त अरब अमीरात में 45 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो अमरीका में रहने वाले मूल भारतीयों की संख्या के बाद दूसरे स्थान पर है। सऊदी अरब लगभग 28 लाख भारतीयों के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब मिलकर भारत में सबसे अधिक धन प्रेषण का स्रोत हैं। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा योगदान जी.सी.सी. देशों का है। भारत का रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार लगभग पूरी तरह से आबू धाबी से प्राप्त कच्चे तेल से बना है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों में आई इस गंभीर गिरावट का तात्कालिक कारण यमन को लेकर दोनों देशों का अलग-अलग दृष्टिकोण है। मार्च, 2015 से दोनों देशों ने सना में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के लिए मिलकर लड़ाई लड़ी, जिसे ईरान के समर्थन से हौथियों ने उखाड़ फैंका था। चार साल बाद, जब संयुक्त अरब अमीरात की मौतें बढने लगीं, तो उसने यमन में अपनी सैन्य उपस्थिति कम करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, सऊदी अरब को उतने लोगों का नुकसान नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने हौथियों पर हमले हवाई बमबारी तक ही सीमित रखे। सहानुभूति जताते हुए, यू.ए.ई. के पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर स्थापित खलीफा फाऊंडेशन चौरिटी ने घायल यमनी लोगों को इलाज के लिए भारतीय अस्पतालों में विमानों से भेजा। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के विघटन के बाद, संयुक्त अरब अमीरात ने अदन में एक अलगाववादी समूह-दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एस.टी.सी.). को अपना प्रतिनिधि बना लिया। सऊदी अरब एक एकीकृत यमन चाहता है, जो उसकी कानूनी सरकार के अधीन हो।पिछले सप्ताह, राष्ट्रीय राजधानी में स्थित यू.ए.ई. समध्थत एस.टी.सी. ने व्यावहारिक रूप से उस पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया था, जो पूर्व में दक्षिण यमन कहलाता था। सऊदी अरब के समर्थन से सना से किए गए हमलों के बाद अदन स्थित इस क्षेत्र का मुख्य हवाई अड्डा बंद कर दिया गया था। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सूडान को लेकर भी आमने-सामने हैं। दक्षिण सूडान गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यू.एन.एम.आई.एस.एस.) में 2306 भारतीय सैनिक तैनात हैं। सूडान और दक्षिण सूडान के बीच विवादित क्षेत्र अबेई के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यू.एन.आई.एस.एफ.ए.) में 506 भारतीय शांति सैनिक भी हैं। यदि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपने-अपने सहयोगियों को हथियारों की आपूर्ति और वित्तीय सहायता बढ़ाते हैं, तो उन्हें खतरा होगा। ओ.एन.जी.सी. विदेश लिमिटेड ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा रणनीति के तहत अविभाजित सूडान के तेल उद्योग में 2.3 अरब डॉलर का निवेश किया था। यह निवेश अब दोनों सूडानों में फैला हुआ है और गृहयुद्ध से प्रभावित हुआ है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

तिलगुड़ भरे मिठास को, प्रेम भाव के संग।
ऐसा पावन पर्व है, उड़ती दिखे पंतंग।।
उड़ती दिखे पतंग, दान खिचड़ी का होता।
करके मुख्य नहान, पर्व मे हर जन खोता।।
कहती रचना आज, सभी आपस में हिलमिल।।
करते सब है दान, संग खिचड़ी के गुड़ तिल।।

नभ मे पतंग उड़ रही, रंग बिरंगी आज।
पर्व मकर संक्रांति का, आया नया अनाज।
आया नया अनाज, दान में खिचड़ी देते।
करते मुख्य नहान, नदी में डुबकी लेते।।
कहती रचना आज, दिखे उमंग है सब में।
देख गुनगुनी धूप, उड़े अब पतंग नभ में।।

रचना सक्सेना
अल्लापीबाग
प्रयागराज

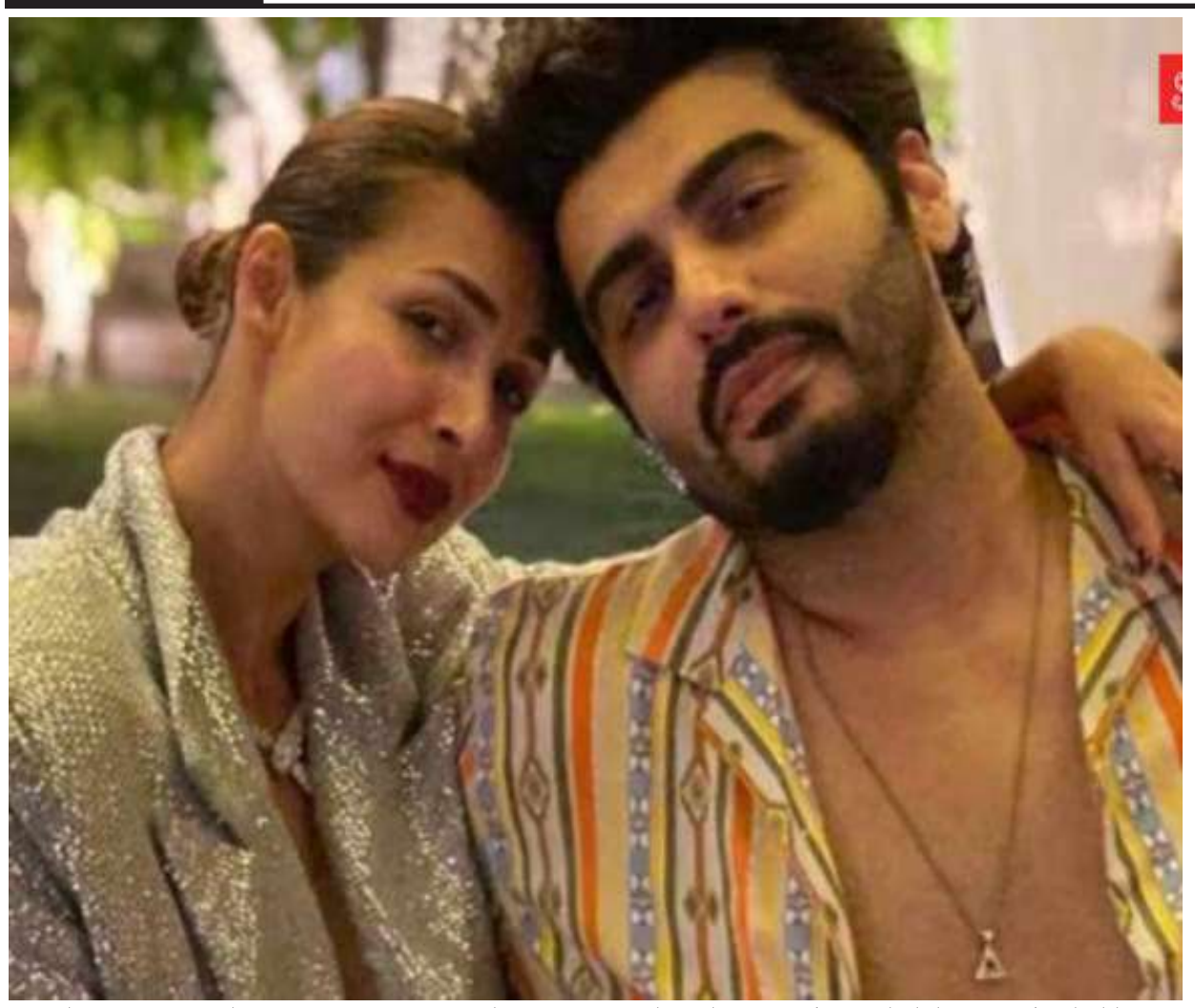

वो ऐसे शख्स जो मेरे लिए बहुत जरुरी.. अर्जुन से ब्रेकअप के 2 साल बाद बोलीं मलाइका अरोड़ा, मिस्ट्री मैन संग दिखने पर भी दिया जवाब

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा एक्टर अरबाज खान से तलाक के बाद अपने से 12 साल छोटे एक्टर अर्जुन कपूर को डेट कर चुकी हैं। दोनों ने कई सालों तक एक दूसरे को डेट किया था, लेकिन फिर किसी वजह से उनका ब्रेकअप हो गया, जिसके बाद वे काफी सुर्खियों में रहे। वहीं, अब हाल ही में मलाइका ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर को लेकर बात की। नम्रता जकारिया शो में अर्जुन कपूर के बारे में बात करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि गुस्सा और दुख जीवन के किसी खास पड़ाव पर आते हैं और मुझे लगता है कि हर किसी के साथ ऐसा होता है। हम इंसान हैं, हम सभी गुस्से और निराशा के दौर से गुजरते हैं। ये ह्यूमन नेचर है, लेकिन जैसे–जैसे समय बीतता है, और सबसे फेमस कहावत है, समय सब कुछ ठीक कर देता है।"आगे उन्होंने कहा, ये अलग नहीं है। चाहे कुछ भी हो, मुझे लगता है कि वो ऐसे शख्स हैं जो मेरे लिए बहुत जरुरी हैं। वो मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। जो भी हो, मैं अपने पास्ट और फ्यूचर के बारे में बात करना पसंद नहीं करती। इसे लेकर काफी कुछ लिखा गया है। बहुत कुछ फैलाया गया है। ये मीडिया के लिए खबर बनाने की जगह बन गया है। मलाइका ने कहा, मेरा रिलेशनशिप हमेशा सुर्खियों में रहा है। उसे लेकर हमेशा खबरें बनी हैं। मुझे याद है कि एक समय पर मैं बोलने लगी थी कि मेरी जिंदगी पर्सनल लाइफ के अलावाभ भी है। ये सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गया है। दुर्भाग्य से, लोग ये भूल जाते हैं। मैं अब जिंदगी के उस पड़ाव पर हूं, जहां मुझे कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है।मैं वो करना चाहती हूं जो मुझे खुश करे।मैं चाहती हूं कि लोग ये देखें। मिस्ट्री मैन के साथ देखे जाने के सवाल पर मलाइका अराड़ा न कहा, लागा का बात करना पसद ह। आप किसी के साथ दिखते हैं, बाहर जाते हैं, तो ये बड़ी बात बन जाती है। मैं फिजूल की बातों को हवा नहीं देना चाहती। मैं जब भी मैं बाहर निकली हूं, चाहे वो कोई पुराना दोस्त हो, कोई गे फ्रेंड हो, शादीशुदा दोस्त हो, मैनेजर हो या कोई भी हो मेरा नाम उससे जोड़ दिया जाता है। मेरी मां मुझे फोन करके पूछती हैं, ये अब कौन है, बेटा? ये लोग किसके बारे में बात कर रहे हैं? ये फनी हो गया है।

> "मुझे याद है कि एक समय पर मैं बोलने लगी थी कि मेरी जिंदगी पर्सनल लाइफ के अलावाभ भी है। ये सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गया है। दुर्भाग्य से, लोग ये भूल जाते हैं। मैं अब जिंदगी के उस पड़ाव पर हूं, जहां मुझे कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है।मैं वो करना चाहती हूं जो मुझे खुश करे।

आमिर खान के बेटे जुनैद की फिल्म एक दिन का पहला पोस्टर हुआ जारी, जानिए कब रिलीज होगी साई पल्लवी की यह फिल्म

महाराज और लवयापा जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके जुनैद खान की आगामी बॉलीवुड फिल्म एक दिनश का पहला पोस्टर रिलीज हो चुका है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने आज एक दिम की रिलीज की जानकारी शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने आज 15 जनवरी 2026 को एक दिन का पहला पोस्टर जारी किया। इसमें जुनैद खान और साई पल्लवी बर्फबारी में रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। दोनों बर्फबारी में कड़ाके की ठंड के बीच आइसक्रीम खाते दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, जिंदगी की उथल–पुथल में, प्यार तुम्हें ढूंढ लेगा... एक दिन। फिल्म निर्माताओं ने एक दिन के फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ इसकी रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। एक दिनश 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं फिल्म का पहला टीजर कल 16 जनवरी को जारी किया जाएगा। एक दिन के डायेरक्टर सुनील पांडे हैं। एक दिन की कहानी स्नेहा देसाई और स्पनंद मिश्रा ने लिखी है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित हैं। म्यूजिक राम संपत का है। लिरिक्स इरशाद कामिल के हैं। यह जुनैद की तीसरी फिल्म है। इससे पहले जुनैद महाराज और लवयापा में नजर आ चुके हैं। साई पल्लवी साउथ एक्ट्रेस हैं। वो रणबीर कपूर के साथ रामायण में नजर आएंगी।

हैप्पी पटेल में फिर दिखेगा दिल्ली बेली वाला मैडनेस, जानें मोना सिंह ने की किस तरह से तुलना

दिल्ली बेली जब रिलीज हुई थी, तब उसने अपने डार्क ह्यूमर, अनोखे किरदारों और बेझिझक ऑफ–बीट अंदाज से मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा के नियम ही तोड़ दिए थे। अब सालों बाद वही बिंदास और हटके सोच हैप्पी पटेल के साथ फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है, जो उसी पागलपन और बेपरवाह माहौल को आज के टाइम के ट्विस्ट के साथ लाने वाली है। मोना सिंह, जिन्होंने मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल दोनों तरह की स्टोरीटेलिंग में काम किया है, कल्ट क्लासिक दिल्ली बेली और आने वाली फिल्म के बीच सीधा कनेक्शन देखती हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए मोना ने कहा कि दिल्ली बेली को आइकॉनिक बनाने वाली वही स्पिरिट हैप्पी पटेल में भी गहराई से मौजूद है। दिल्ली बेली को मिले रिएक्शन्स याद करते हुए मोना ने कहा,"दिल्ली बेली के लिए लोग जो–जो शब्द इस्तेमाल करते थे, वही सारे शब्द हैप्पी पटेल पर भी बिल्कुल फिट बैठते हैं, डार्क है, क्विर्की है, ऑफ–बीट है, सब कुछ है। और मुझे इस मैड, क्रेजी यूनिवर्स का हिस्सा बनकर सच में बहुत मजा आया।" उनकी बातें साफ इशारा करती हैं कि दर्शक हैप्पी पटेल से क्या उम्मीद कर सकते हैं, एक ऐसी फिल्म जो बेझिझक पागलपन अपनाती है, हटके ह्यूमर दिखाती है और ऐसे किरदारों को सामने लाती है जो हमेशा एज पर रहते हैं। बिल्कुल दिल्ली बेली की तरह, यह फिल्म अपने बेखौफ अंदाज और अनप्रेडिक्टेबल कहानी पर चलती है, जो इसे फॉर्मूला वाली फिल्मों से अलग और ताजा बनाती है।आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस का निर्देशन वीर दास ने किया है। फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, शारिब हाशमी और मिथिला पालकर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

तारा सुतारिया से ब्रेकअप की रूमर्स के बीच वीर पहाड़िया का क्रिप्टिक पोस्ट

अभिनेता वीर पहारिया और तारा सुतारिया इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के ब्रेकअप की अफवाहें चल रही हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर दोनों ने अलग होने की खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और चुप्पी साध रखी है। इस बीच वीर पहाड़िया के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने ध्यान आकर्षित किया है। इसके साथ उन्होंने क्रिप्टिक पोस्ट लिखा है। वीर पहारिया और तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अफवाहों ने इन दिनों जोर पकड़ा हुआ है। वीर ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इन अफवाहों को और हवा दे दी है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी कुछ फोटोज साझा कीं। इसके साथ उन्होंने क्रिप्टिक कैप्शन लिखा है। उन्होंने वक्त को लेकर कुछ ऐसा लिखा है कि लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर तारा और वीर के बीच चल क्या रहा है? वीर पहाड़िया ने पोस्ट के साथ लिखा है, वक्त बुरा हो या अच्छा, एक ना एक दिन बदलता जरूर है। एक्टर के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ यूजर्स पूछ रहे हैं, आखिर क्या हुआ है? वहीं कुछ लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या उनका यह लुक किसी नई फिल्म के लिए है? कुछ लोग गुजारिश कर रहे हैं कि वे तारा के साथ फिर से पैचअप कर लें। बता दें कि वीर और तारा के ब्रेकअप की रूमर्स एपी ढिल्लों के एक कॉन्सर्ट के बाद सामने आईं। कुछ दिनों पहले तारा और वीर पहाड़िया सिंगर एपी ढिल्लों के मुंबई में आयोजित एक कॉन्सर्ट में पहुंचे थे। इस दौरान तारा, एपी ढिल्लों के साथ स्टेज पर नजर आईं। दोनों के बीच काफी करीबी दिखी। इस दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को किस किया। इसके बाद वीर पहाड़िया का रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और वे काफी अपसेट नजर आए। इस बीच तारा और वीर के ब्रेकअप की खबरों ने हवा पकड़ ली। हालांकि, अभी इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एनिवर्सरी पर गिफ्ट के तौर पर मिला तलाक का नोटिस, रात 1 बजे देश छोड़ने को हुई मजबूर, सेलिना जेटली ने बयां किया दर्द

एक्ट्रेस सेलिना जेटली अपनी निजी जिंदगी में काफी मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। तीन बच्चों की मां सेलिना ने पिछले दिनों पति पीटर हाग पर घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए थे और तलाक की मांग की थी। वही, अब हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि साल 2025 में उनकी 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस मिला। इसके साथ ही सेलिना ने बताया कि किस तरह उन्हें मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और हालात ऐसे बन गए कि उन्हें अपने बच्चों से अलग होना पड़ा। हाल ही में सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक इमोशनल पोस्ट करते हुए बताया कि दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से बचने के लिए उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 की रात को ऑस्ट्रिया छोड़ दिया था। इस फैसले के साथ ही उन्हें अपने तीन बच्चों से अलग होना पड़ा, जिससे उनका दिल टूट गया। एक्ट्रेस ने लिखा, जिस दिन मैंने अपनी इज्जत, अपने बच्चों और अपने भाई की रक्षा के लिए ऑस्ट्रिया छोड़ने का फैसला किया, उसी दिन मैंने अपने बच्चों को खो दिया। यह पोस्ट उन सभी लोगों के लिए है जो अपमानजनक शादियों से गुजर रहे हैं। वे अकेले नहीं हैं। सेलिना ने बताया कि रात 1 बजे पड़ोसियों की मदद से वे ऑस्ट्रिया से निकलीं और बहुत कम पैसे के साथ भारत लौटीं। भारत पहुंचकर उन्हें अपने ही घर में प्रवेश के लिए कोर्ट जाना पड़ा। यह प्रॉपर्टी उन्होंने साल 2004 में शादी से पहले खरीदी थी, लेकिन अब उनके पति इसे अपना बता रहे हैं। इस लड़ाई के लिए उन्हें बड़ा लोन भी लेना पड़ा। ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के मौजूदा आदेश के बावजूद, उन्हें अभी तक अपने बच्चों से बात करने की इजाजत नहीं मिली है। सेलिना का कहना है कि ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें अब तक अपने बच्चों से बात करने या मिलने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों को उनसे दूर रखने की लगातार कोशिश की गई। एक्ट्रेस के मुताबिक, मीडिया में चुनिंदा कहानियां फैलाकर बच्चों और मां के बीच बातचीत में रुकावट डाली गई। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को उनके खिलाफ भड़काया गया और डराया गया। सेलिना ने याद दिलाया कि वह बच्चों की पैदाइश से लेकर उनकी परवरिश तक की मुख्य जिम्मेदार रही हैं और पति के करियर को सपोर्ट करने के लिए एक देश से दूसरे देश जाती रहीं। सेलिना जेटली ने यह भी खुलासा किया कि साल 2025 में उनकी 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस मिला। इसके बाद उन्होंने कई बार आपसी सहमति से अलग होने की कोशिश की, ताकि बच्चों पर इसका असर कम पड़े। लेकिन हर बार उनसे उनकी शादी से पहले की संपत्ति की मांग की गई और ऐसी शर्तें रखी गईं, जिनसे उनकी आजादी और सम्मान पर सवाल खड़े हो गए। अपनी पोस्ट के अंत में सेलिना ने लिखा कि एक ही पल में उनकी पूरी दुनिया उनसे छीन ली गई।

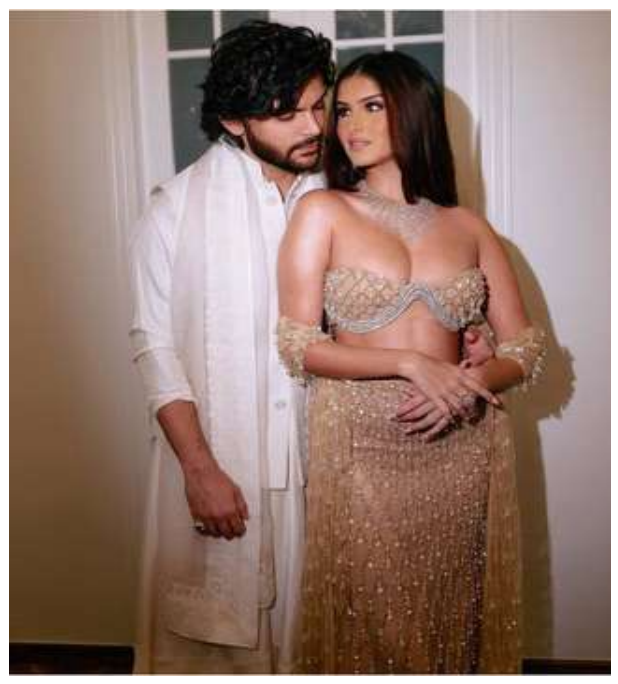

सेहत ही नहीं स्वाद में भी लाजवाब होती हैं मेथी की डिशेज, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

मेथी के सेवन से कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम हो सकता है। वहीं यह दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभकारी होता है। आज हम आपको मेथी की कुछ डिशेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मेथी कई औषधीय गुणों से भरपूर होती है। यह एक ऐसा फूड आइटम है, जिसकी आप कई टेस्टी डिशेज बना सकते हैं। मेथी का इस्तेमाल कई हरी सब्जियों में भी किया जाता है। यह खाने में स्वादिष्ट होने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती है। इसको अपनी डाइट में शामिल करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है। वहीं डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके साथ ही मेथी के सेवन से कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम हो सकता है। वहीं यह दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभकारी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेथी की कुछ डिशेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मेथी आलू की सब्जी

सर्दियों में मेथी–आलू की सब्जी बेहद चाव से खाई जाती है। साथ ही इसको बनाना भी काफी आसान होता है। आमतौर पर आलू–मेथी की सूखी सब्जी बनाई जाती है। जिसको अधिकतर रोटी के साथ खाया जाता है। यह सब्जी 30–40 मिनट के अंदर बनकर तैयार हो जाती है।

मेथी के पराठे

सर्दियों में कई लोगों को पराठे खाना बेहद पसंद होता है। वहीं इन दिनों मेथी के पराठे बनाकर खा सकते हैं। यह पराठे ज्यादा हैवी नहीं होती है। आप सुबह के नाश्ते में मेथी के पराठे बनाकर खा सकते हैं। बता दें कि आटे में मेथी के पत्तों को भरकर ये पराठे बनाए जाते हैं। जिनको आप दही या अचार के साथ खा सकते हैं।

मेथी के लड्डू

सर्दियों में कई तरह के स्वादिष्ट लड्डू बनाकर खाए जाते हैं। यह लड्डू सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद होते हैं। मेथी के लड्डू में मेथी के बीज, आटे, सोंठ, सौंफ और घी को मिलाकर बनाए जाते हैं। यह खाने में स्वादिष्ट होने के साथ ही शरीर को भी गर्म रखते हैं।

मेथी के पुलाव

वैसे तो पुलाव खाना हर किसी को पसंद होता है। क्योंकि यह खाने में काफी स्वादिष्ट होते हैं। इस पुलाव में चावन में मसाले और मेथी के पत्ते डालकर बनाया जाता है। मेथी पुलाव को आप सब्जी, दाल और रायते के साथ खा सकते हैं।

मेथी मटर पनीर

पालक पनीर की तरह ही आप मेथी मटर पनीर की सब्जी ट्राई कर सकती हैं। यह खाने में बेहद स्वादिष्ट होती है। इस सब्जी को बनाने के लिए मेथी के पत्तों को उबालकर पीसा जाता है। फिर इसकी सब्जी बनाकर खा सकते हैं। यह सब्जी स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए भी काफी अच्छी होती है।

सर्दियों में नवजात शिशु को इंफेक्शन से रखना है तो दूर तो आजमाएं ये टिप्स

सर्दियों का मौसम बहुत ही नाजुक होता है। खासकर नवजात शिशुओं के लिए यह मौसम बहुत ही कोमल होता है क्योंकि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बड़ों के मुकाबले कमजोर होती है। उनकी इम्यूनिटी विकसित होने में 9 महीने लगते हैं ऐसे में वह बीमारी की चपेट में बहुत ही जल्दी आने लगते हैं। सर्दियों के मौसम में वायरस और बैक्टीरिया के संपर्क में आने के कारण शिशु के पेट में दर्द, उल्टी, दस्त जैसी समस्याएं होने लगती हैं। यह समस्याएं गंभीर रुप भी ले सकती हैं। ऐसे में नवजात शिशु को स्वस्थ रखने के लिए आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनसे वह एकदम स्वस्थ रहेंगे।

आइए जानते हैं...

तेल मालिश करें

नवजात शिशु के शरीर को यदि आप गर्म रखना चाहते हैं तो उनकी तेल मालिश करें। इससे शिशु की मांसपेशियां मजबूत होंगी और शरीर का संक्रमण से भी बचाव रहेगा। शिशु के शरीर में तेल की मालिश करने से त्वचा में बैक्टीरियल और फंग्ल इंफेक्शन की आशंका भी कम हो जाती है। मालिश के लिए आप सरसों, नारियल या फिर बादाम का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफाई का रखें ध्यान

शिशु को हाथ लगाने से पहले यह ध्यान रखें कि अपने हाथों को अच्छी तरह से धो लें। शिशु को गंदे हाथों से बिल्कुल भी न छूएं। इससे उनमें त्वचा संबंधी रोग और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शिशु के कपड़ों को भी रोजाना बदलें। शिशु को हाथ लगाने से पहले और बाद में अपने हाथों को अच्छी तरह से साबुन और पानी से धोएं। छींकते समय भी शिशु से बिल्कुल दूर रहें। यदि घर में कोई बीमार है तो उसे भी शिशु को दूर रखें।

शिशु को न लगने दें ठंडी हवा

सर्दियों में ठंडी हवा की चपेट में आने से भी शिशु बीमार हो सकते हैं। उनके शरीर को ठंडी हवा से यदि आप बचाना चाहते हैं तो आसपास का तापमान गर्म रखें। बच्चे के लिए अच्छे कपड़े चुनें, बच्चों को पूरे कपड़े पहनाएं। इससे उनका शरीर ओवर हीटिंग का शिकार हो जाएगा और बच्चे को घबराहट भी महसूस नहीं होगी। शिशु के बिस्तर पर भी मुलायम कपड़ा और गरम बिस्तर बिछाएं।

जरुर करवाएं स्तनपान

नवजात शिशु की इम्यूनिटी कमजोर होती है ऐसे में उन्हें संक्रमण और बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। 6 महीने तक शिशु सिर्फ स्तनपान पर निर्भर होता है ऐसे में आप ध यान रखें कि वह पर्याप्त मात्रा में दूध पिए। यदि शिशु को लैक्टेशन से जुड़ी कोई समस्या है तो आप डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। वहीं यदि शिशु स्तनपान नहीं कर पाता है तो एक–कटोरी चम्मच दूध उसे पिलाएं।

बच्चे को करवाएं वैक्सीनेशन

मौसम बदलने के कारण बच्चों में बीमारी और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में उन्हें इंफेक्शन से बचाने के लिए जरुरी वैक्सीन लगवाएं। टीकाकरण के जरिए बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत बनेगी। शिशु की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए यह ध्यान रखें कि मां भी हेल्दी रहे, क्योंकि स्तनपान के जरिए मां के शरीर से जरुरी पोषक तत्व शिशु को मिलते हैं यदि मां कमजोर होगी तो शिशु की इम्यूनिटी जल्दी नहीं बढ़ पाएगी।

सर्दियों में चेहरा रहेगा बिल्कुल साफ, इस्तेमाल करें ये 3 फेसमास्क

सर्दियों के मौसम में भी त्वचा को खास देखभाल की जरुरत पड़ती है। इस मौसम में चलने वाली हवाएं त्वचा को खुशक बना देती हैं। ठंडी हवाओं के चलते स्किन का ग्लो भी कम होता है। इसके अलावा ज्यादा ऑयली फूड्स खान के कारण त्वचा पर पिंपल्स भी होने लगते हैं। सर्दियों में स्किन को साफ रखना जरुरी होता है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फेसमास्क बताते हैं जो आपकी त्वचा को साफ बनाते हैं। आइए जानते हैं...

हल्दी और कच्चे दूध का फेसपैक

हल्दी और दूध में पाए जाने वाले गुण त्वचा की रंगत निखारने और चेहरे के दाग–धब्बे दूर करने में मदद करेंगे।

हल्दी – 1/2 चम्मच

दूध – 2 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले एक कटोरी में इन दोनों चीजों को डाल दें।

. फिर तैयार किया गया मिश्रण चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं।

. तय समय के बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

पपीता और शहद से बना पैक

पपीता और शहद का फेसपैक भी आप त्वचा पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके चेहरे की झाइयां दूर होगी और स्किन लंबे समय तक हाइड्रेट रहेगी।

पपीता – 3 चम्मच

शहद – 1 चम्मच

कैसे करें इस्तेमाल?

. पपीते को काटकर मैश कर लें।

. फिर इसमें शहद मिलाकर मिश्रण बना लें।

. तैयार मिश्रण 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।

. तय समय के बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

केला और शहद का फेसपैक

इन दोनों चीजों का मिश्रण इस्तेमाल करने से त्वचा को पोषण मिलेगा और स्किन चमकदार भी बनेगी।

सामग्री

शहद – 1 चम्मच

केला – 1

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले एक कटोरी में केला डालकर अच्छी तरह मैश कर लें।

. फिर इसमें शहद मिलाएं।

. दोनों चीजों को अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें।

. पेस्ट को 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।

. तय समय के बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

सर्दियों में रूखे हो जाते हैं नाखून तो ऐसे रखें इनका ख्याल, फॉलो करें ये टिप्स

आपने देखा होगा कि सर्दियों में नाखून काफी रूखे हो जाते हैं। इस कारण नाखूनों का ध्यान रखना काफी जरूरी होता है। आज हम आपको नाखूनों की देखभाल के कुछ जरूरी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। इन टिप्स को फॉलो कर अपने नेल्स का ध्यान रख सकती हैं।

सर्दियों का मौसम लगभग हर किसी को पसंद है। क्योंकि घूमने–फिरने से लेकर खाने–पीने तक के लिए सर्दियों का मौसम परफेक्ट होता है। लेकिन इस मौसम में अपनी त्वचा का खास ख्याल रखना पड़ता है। ऐसा न करने पर इची स्कैल्प, त्वचा का रूखापन, बाल झड़ना आदि की समस्या होने लगती है। इसलिए सर्दियों के मौसम में अपनी त्वचा और बालों का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। लेकिन बालों और त्वचा का ख्याल रखते–रखते हम शरीर के दूसरे जरूरी अंगों के बारे में भूल जाते हैं। वह हमारे नाखून हैं। आपने देखा होगा कि सर्दियों में नाखून काफी रूखे हो जाते हैं। इस कारण नाखूनों का ध्यान रखना काफी जरूरी होता है। क्योंकि अगर आप अपने नाखूनों का ध्यान नहीं रखते हैं। तो यह टूटने लगते हैं। ऐसे में आज हम आपको नाखूनों की देखभाल के कुछ जरूरी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। आप भी इन टिप्स को फॉलो कर आप अपने नेल्स का ध्यान रख सकती हैं।

मॉइस्चराइज करना है जरूरी

सर्दियों के मौसम में नाखून ड्राई हो जाते हैं। ऐसे में नाखूनों की नमी को बरकरार रखने के लिए आप बादाम या फिर नारियल के तेल से अपने नाखूनों को मॉइस्चराइज कर सकते हैं।

बेस कोट लगाएं

अपने नाखूनों पर आपको हमेशा बेस कोट लगाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से आपके नेल्स धूल और गंदगी से बचे रहेंगे। साथ ही आपके नाखून भी इससे मजबूत होंगे।

क्यूटिकल क्रीम

कई बार नाखून साफ करने के दौरान क्यूटिकल्स को काट देते हैं। लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए। बता दें कि क्यूटिकल्स को काटने की जगह उस पर लोशन या फिर क्यूटिकल क्रीम अप्लाई कर उनका ख्याल रखना चाहिए।

नेल मास्क

अगर आप अच्छे तरीके से नाखूनों का ध्यान रखना चाहते हैं, तो आप नींबू के साथ बेकिंग सोडा या अंडे और शहद को मिलाकर अपने नाखूनों पर लगाएं। यह नाखूनों के लिए काफी अच्छा नेल मास्क है।

पानी को करें इग्नोर

सर्दियों में मौसम में पानी का काम कम से कम करना चाहिए। क्योंकि नाखूनों के ज्यादा भीगने से इनमें ड्राईनेस आने लगती है। इससे आपके नाखून कमजोर हो सकते हैं।

नाखूनों को लेने दें सांस

अगर आप सर्दियों के मौसम में हमेशा नेल पेंट लगाकर रखती हैं, तो बता दें कि इससे आपके नाखूनों को सांस लेने में समस्या होगी। इसलिए कई बार अपने नाखूनों को बिना नेल पेंट्स के भी रहने देना चाहिए।

संक्षिप्त

सचिन–अंजलि और सारा तेंदुलकर ने भी किया मतदान

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए मतदान जारी है। इसी बीच मुंबई में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी अपने मतदान केंद्र पहुंचे और मतदान किया। सचिन तेंदुलकर की मौजूदगी ने मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। वोट डालने के बाद उन्होंने मीडिया को अपना इंक लगा हुआ अंगूठा दिखाया और लोकतंत्र में भागीदारी को लेकर संदेश भी दिया। मतदान के बाद सचिन तेंदुलकर ने चुनाव की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, श्यह बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। इससे हमें अवसर मिलता है कि हम अपने वोट के माध्यम से अपनी राय व्यक्त कर सकें। सभी से अपील है कि घर से बाहर निकलें और वोट डालें। सचिन ने लोगों को जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया और मतदान को लोकतांत्रिक अधिकार के साथ कर्तव्य भी बताया। मुंबई के अलग–अलग वार्डों में सुबह से ही मतदान प्रक्रिया जारी है। कई जगह युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों में मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। बीएमसी चुनाव हमेशा से महाराष्ट्र की राजनीति के साथ साथ राजधानी मुंबई के प्रशासन के लिहाज से बेहद अहम माने जाते हैं।

एआई की बढ़ती मांग से टीएसएमसी को हुआ 16 अरब डॉलर का मुनाफा, राजस्व में 21 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली,एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी ताइवान स्थित टीएसएमसी ने एआई की तेज मांग के दम पर मजबूत तिमाही नतीजे पेश किए हैं। कंपनी ने अक्तूबर–दिसंबर तिमाही में 506 अरब न्यू ताइवान डॉलर (करीब 16 अरब डॉलर) का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। यह एक साल पहले की तुलना में 35प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा बाजार अनुमानों से भी बेहतर रहा।

टीएसएमसी ने बताया कि इसी तिमाही में उसका राजस्व सालाना आधार पर 21प्रतिशत बढ़कर 1.046 ट्रिलियन न्यू ताइवान डॉलर (लगभग 33 अरब डॉलर) पर पहुंच गया। एनवीडिया और एपल जैसी दिग्गज टेक कंपनियों को चिप सप्लाई करने वाली टीएसएमसी को एआई से जुड़े हाई–एंड प्रोसेसर की मजबूत मांग का सीधा फायदा मिल रहा है। मजबूत कारोबारी प्रदर्शन के बीच कंपनी ने अपने निवेश प्लान को भी आक्रामक बनाया है। टीएसएमसी ने कहा कि वह 2026 में पूंजीगत खर्च को बढ़ाकर 52 से 56 अरब डॉलर करने की योजना बना रही है, जो पिछले साल के करीब 40 अरब डॉलर से लगभग 40: अधिक है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी वेंडेल हुआंग ने कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा कि आने वाले तीन वर्षों में खर्च काफी ज्यादा रहेगा और उन्नत चिप तकनीकों की मांग लगातार मजबूत बनी रहने की उम्मीद है। शेयर बाजार में भी TSMC का दबदबा दिख रहा है। कंपनी के ताइवान में सूचीबद्ध शेयर इस साल की शुरुआत से अब तक 8प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुके हैं और इस महीने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। करीब 1.4 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ टीएसएमसी एशिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन चुकी है। वैश्विक स्तर पर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की होड़ तेज है। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी कंपनियां भी एआई पर भारी खर्च कर रही हैं। हालांकि, कुछ विश्लेषक इसे संभावित एआई को बुलबुले के रूप में देखते हैं, जिसके चलते बीच–बीच में टेक शेयरों में बिकवाली भी देखने को मिलती है। TSMC ने अमेरिका में भी अपने विस्तार को तेज किया है। कंपनी ने अमेरिका में करीब 165 अरब डॉलर के निवेश का वादा किया है और एरिजोना में नए फैब प्लांट्स के निर्माण की रफ्तार बढ़ा दी है, ताकि वहां एक बड़ा सेमीकंडक्टर क्लस्टर तैयार किया जा सके।

विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार की सबसे बड़ी बाधा क्या है? एसोचैम के सर्वे में हुआ खुलासा

नई दिल्ली ,एजेंसी। उद्योग जगत के एक बड़े हिस्से ने आगामी केंद्रीय बजट 2026–27 में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और श्मेक इन इंडियाश पहल को और मजबूत करने को शीर्ष प्राथमिकता बताया है। एसोसिएटेड चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया द्वारा हाल ही में कराए गए प्री–बजट सर्वे के अनुसार, उच्च अनुपालन बोझ, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा लागत व दीर्घकालिक पूंजी तक सीमित पहुंच, विनिर्माण के विस्तार में प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। परंपरा के अनुसार बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। सर्वे में 55प्रतिशत प्रतिभागियों ने अगले 12 महीनों के लिए कारोबारी माहौल को लेकर आशावाद जताया, जबकि 32प्रतिशत तटस्थ और 13प्रतिशत निराशावादी रहे। सर्वे के मुताबिक, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए बजट की सबसे बड़ी प्राथमिकता घरेलू विनिर्माण का विस्तार है। इसके बाद एमएसएमई को मजबूती, कर और अनुपालन प्रणाली का सरलीकरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर व लॉजिस्टिक्स विकास, कौशल और रोजगार सृजन, व डिजिटल और एआई आधारित वृद्धि प्रमुख अपेक्षाएं रहीं। हालांकि सरकार की इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपेक्स, GST 2.0 सुधार और पीएलआई योजनाओं जैसी पहलें दिशा के लिहाज से सकारात्मक मानी गईं, लेकिन उनका जमीनी असर सीमित बताया गया।

करीब 35प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि इन उपायों से अब तक कम लाभ मिला है, जबकि 39प्रतिशत ने प्रभाव को मध्यम बताया। इसके बाद वैश्विक मांग व बाजार पहुंच, कुशल श्रम की उपलब्धता, उच्च लॉजिस्टिक्स व ऊर्जा लागत, और तकनीक व ऑटोमेशन की कमी प्रमुख चुनौतियां रहीं। गुणवत्ता मानकों और प्रमाणन से जुड़ी अड़चनें भी उद्योग ने गिनाईं।

हार के बाद कोच डेशकाटे ने नीतीश और रोहित पर क्यों साधा निशाना? दोनों पर उनके इस बयान ने मचाया बवाल

नई दिल्ली,एजेंसी राजकोट में दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड के हाथों सात विकेट से हार के बाद भारतीय टीम प्रबंधन के अंदरूनी आकलन की झलक सामने आई। भारतीय सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने न केवल टीम संयोजन और बल्लेबाजी क्रम पर बात की, बल्कि कुछ खिलाड़ियों की स्थिति पर बेहद साफ टिप्पणी की। दूसरे वनडे की हार के बाद डेशकाटे के ये बयान टीम के अंदर चल रही योजना, प्रयोग और चुनौतियों की ओर इशारा करते हैं। भारतीय टीम अब तीसरे और निर्णायक मैच में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी।

भारत ने दूसरे मैच में युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया था, लेकिन वह बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ने में विफल रहे। बल्लेबाजी में उन्होंने केवल 20 रन बनाए और गेंदबाजी में दो ओवर में बिना विकेट रहे। मैच के बाद डेशकाटे ने कहा, नीतीश के साथ हम उन्हें तैयार करने और मैच खिलाने के बारे में बात करते रहते हैं और जब आप उन्हें खेलने के लिए मैच देते हैं तो वह अक्सर मैच में कुछ खास नहीं कर पाते।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनके लिए बड़ा मौका था। डेशकाटे ने कहा, श्जो खिलाड़ी टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है, उसके लिए यह शानदार मौका था जहां आपको विकेट पर 15 ओवर बिताने का मौका मिलता है। आपको टीम में चयन की अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए ऐसे मौकों का फायदा उठाना ही होगा। डेशकाटे ने यह भी संकेत दिया कि टीम पीछे मुड़कर देखें तो शायद तीसरे स्पिनर को खिलाने का फैसला अलग हो सकता था, क्योंकि न्यूजीलैंड के स्पिनर इस मैच की परिस्थितियों का अच्छा फायदा उठा गए।

विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों ने बीसीसीआई के निर्देश पर विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। इसके बावजूद डेशकाटे का मानना है कि रोहित का क्रिकेट काफी कम है। उन्होंने कहा, दोनों विकेट नई गेंद के लिए अच्छी थी। बल्लेबाजी करना आसान नहीं लग रहा था। अगर आप पहले एकदिवसीय में देखें तो वह (रोहित) उस लय में नहीं थे जिसमें वह आमतौर पर रहते हैं और यह उनके लिए एक

चुनौती होगी, दो श्रृंखलाओं के बीच क्रिकेट नहीं खेलना।

जब पूछा गया कि क्या रोहित ने जानबूझकर अपनी बल्लेबाजी शैली बदली, तो डेशकाटे ने साफ कहा, मुझे नहीं लगता कि यह जानबूझकर किया गया फैसला है। उन्होंने आगे जोड़ा, वह खतरनाक खिलाड़ी हैं लेकिन असल में वह लय में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह गेंद को टाइम करते हैं, इसलिए जैसे ही विकेट बहुत अच्छे नहीं होते तो उनके लिए उस लय में खेलना मुश्किल हो जाता है।

लोकेश राहुल ने हाल के वनडे में शानदार फॉर्म दिखाई है और विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं। इस पर डेशकाटे ने कहा, राहुल पांचवें नंबर पर खेलने के लिए अच्छा खिलाड़ी है। उसने शानदार शतक जड़ा है और 50 ओवर के क्रिकेट में विकेटकीपिंग से भी असर पड़ता है। ऐसा नहीं है कि हम उसे बचा रहे हैं। उन्होंने आगे रणनीति स्पष्ट की और कहा, पिछले 18 महीने में हमारी एक रणनीति बल्लेबाजी क्रम को लंबा करना रही है और हम ऑलराउंडर का इस्तेमाल या तो ऊपरी क्रम या पांचवें नंबर पर करना पसंद करते हैं जैसा कि हमने पहले वाशी (वाशिंगटन सुंदर) के साथ किया है। साथ ही यह विकल्प खुला भी छोड़ा और कहा, राहुल जिस फॉर्म में हैं उसे देखते हुए वह नियमित रूप से पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और फिर आप ऑलराउंडर को खिला सकते हैं। पिछले कुछ समय में एकदिवसीय क्रिकेट में रविंद्र जडेजा के विकेट कम आए हैं, लेकिन डेशकाटेने उनके प्रदर्शन का बचाव किया। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं लगता कि वह दबाव महसूस कर रहे हैं। उनके आंकड़े शानदार हैं। हाल में उन्हें शायद थोड़े कम विकेट मिले हैं। लेकिन यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने तकनीकी पहलू भी समझाया और कहा, श्हमने उनकी गेंदबाजी की गति के मामले में जो चीजें देखी हैं, जिन चीजों पर हमने उसे काम करने के लिए कहा है, मुझे लगता है कि वह असल में बेहतर गेंदबाजी कर रहे हैं।

इंग्लैंड के रशीद–रेहान को अब तक भारत का वीजा नहीं ? टीम की टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर पड़ा असर

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद और रेहान अहमद को भारत से वीजा अभी तक नहीं मिला है, जिससे उनकी श्रीलंका सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर असर पड़ा है। ईसीबी ने मदद के लिए यूके सरकार से संपर्क किया है। दूसरी ओर, बांग्लादेश ने भी भारत में वर्ल्ड कप मैचों पर आपत्ति जताई हुई है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। लंदन से आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार ने अभी तक इंग्लैंड के स्पिनरों आदिल रशीद और रेहान अहमद के वीजा जारी नहीं किए हैं, जिससे इंग्लैंड की टी20 वर्ल्ड कप तैयारियों पर असर पड़ा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों खिलाड़ी बाकी स्क्वॉड के साथ इस सप्ताहांत श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाएंगे। फिलहाल आदिल रशीद दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में खेल रहे हैं, जबकि रेहान अहमद बिग बैश लीग के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को आश्वासन दिया गया है कि वीजा आवेदन पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जारी होने के समय पर स्पष्टता नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईसीबी को कहा गया, आवेदनों पर कोई आपत्ति नहीं है, और हम प्रक्रिया को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वीजा क्लीयरेंस में देरी के चलते इंग्लैंड के पास अभी सिर्फ लियम डॉसन एकमात्र स्पेशलिस्ट स्पिनर हैं। ऐसे में विल जैक्स और जैकब बेथेल को भी उम्मीद से ज्यादा ओवर फेंकने पड़ सकते हैं। इसी बीच, वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश मैच कोलकाता में होना है, लेकिन बांग्लादेश ने भारत आने से इनकार करते हुए निष्पक्ष स्थल की मांग की है। बांग्लादेश बोर्ड ने कहा है, श्हम भारत यात्रा नहीं करेंगे, जब तक मैच को तटस्थ स्थल पर शिफ्ट नहीं किया जाता।

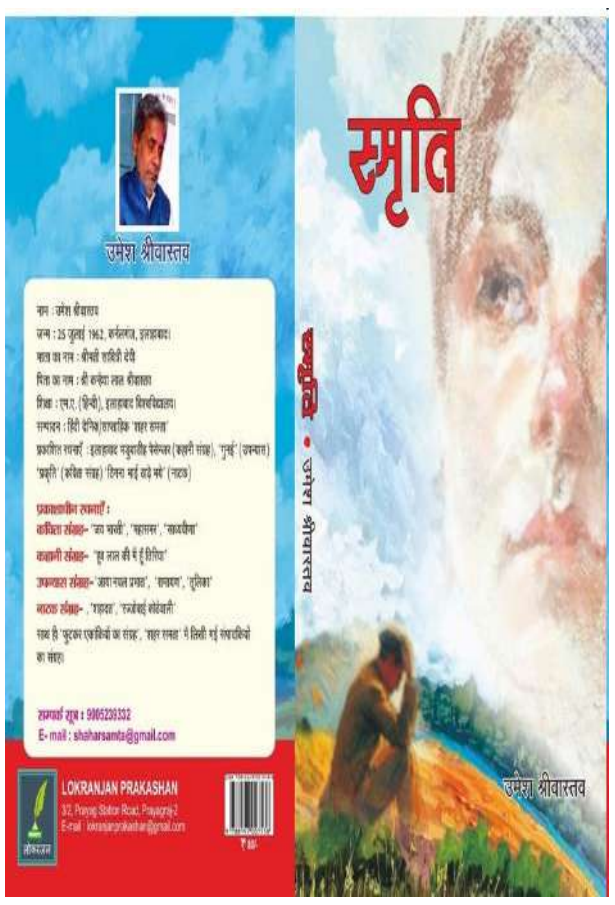

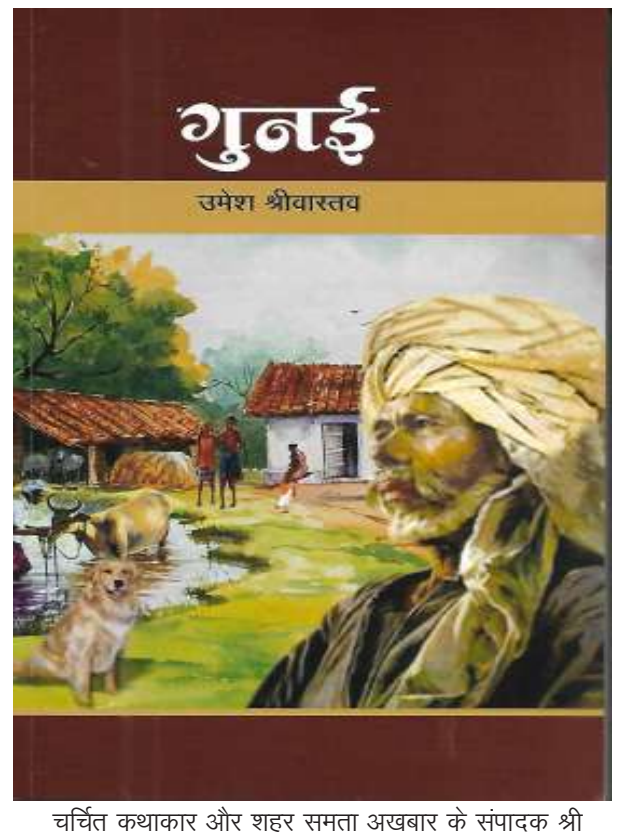

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

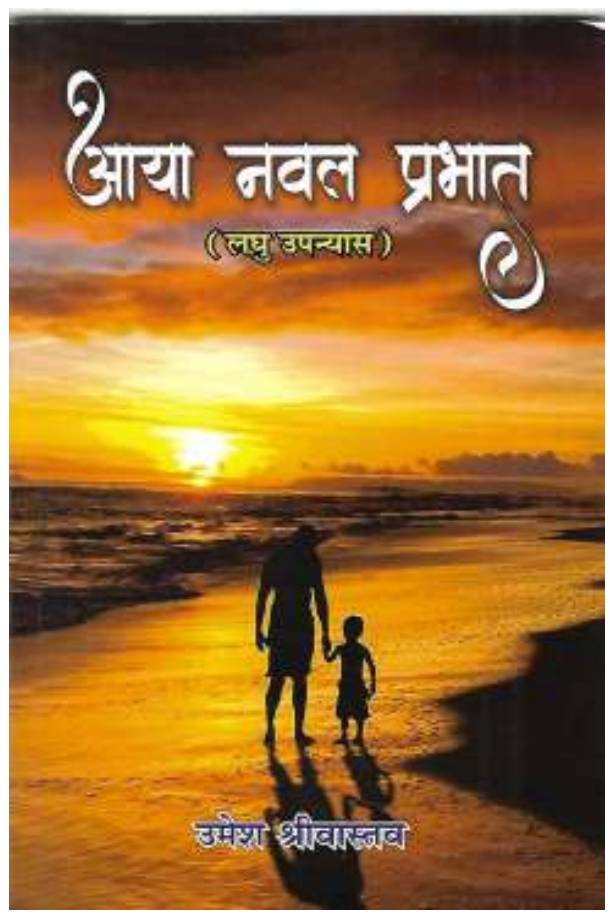

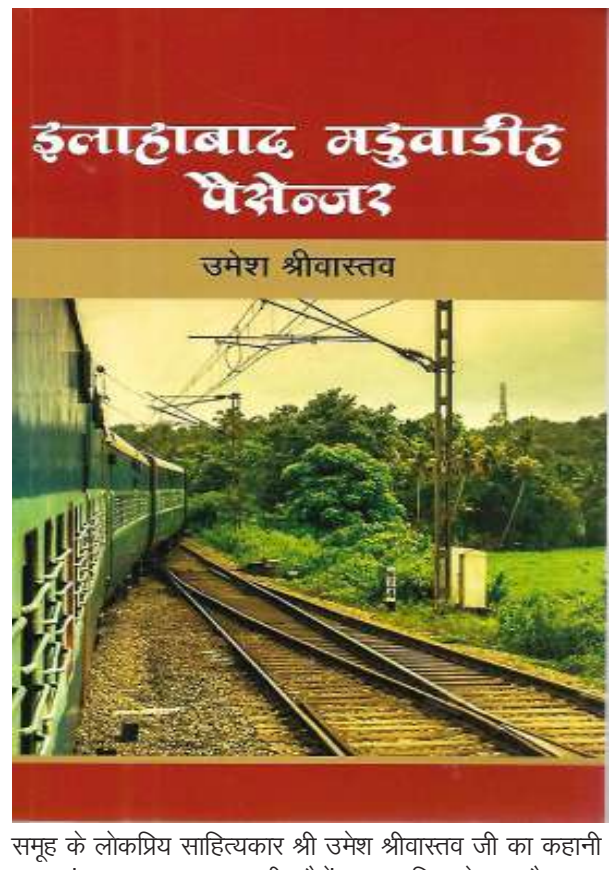

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

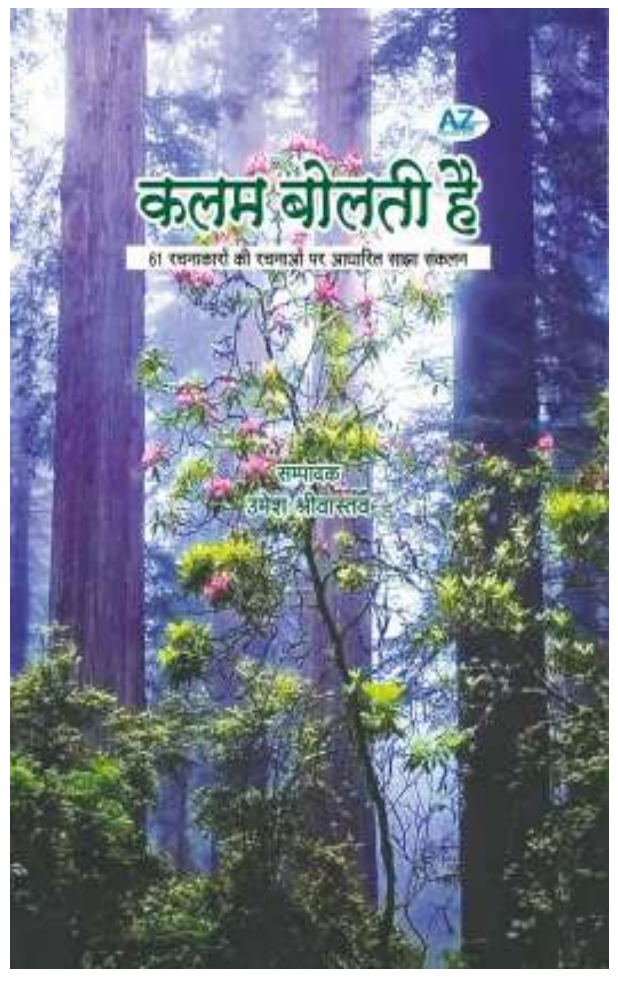

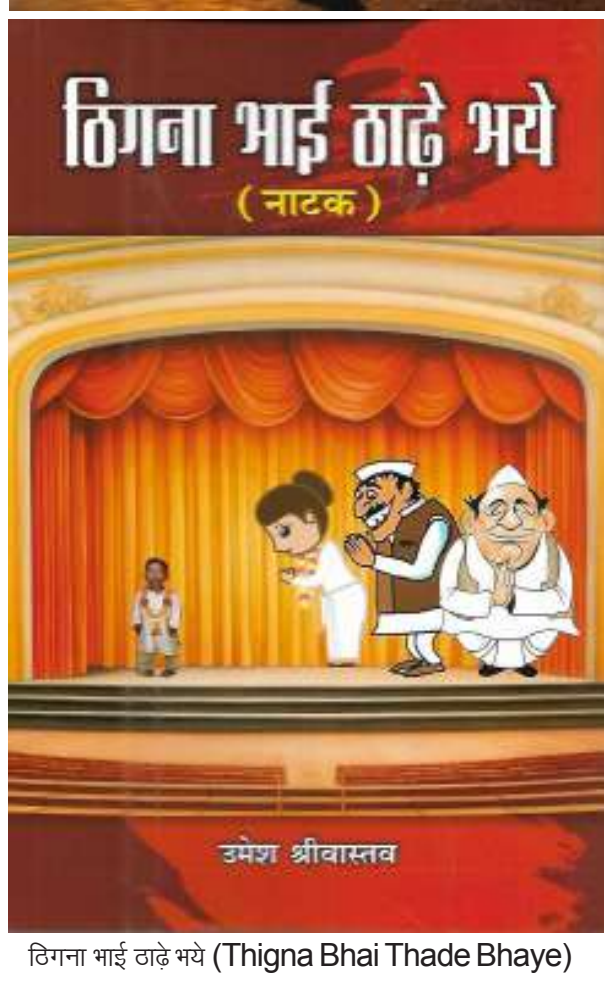

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईंलैंड में फिर हुआ क्रेन हादसा, एक दिन पहले ही रेल दुर्घटना में 32 लोगों की गई थी जान

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड में एक दिन पहले ही एक बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। अब राजधानी बैंकॉक में भी एक क्रेन हादसा हुआ है। हादसे में

हताहत हुए लोगों की संख्या का अभी पता नहीं चल सका है। थाईलैंड के स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इससे पहले बीते दिन हुए हादसे में एक निर्माणाधीन स्थल पर क्रेन चलती हुई ट्रेन पर गिर गई थी, जिसके बाद रेल पटरी से उतर गई थी। उस हादसे में 32 लोगों की मौत हो गई थी। गुरुवार को हुए हादसा बैंकॉक के बाहरी इलाके में हुआ, जहां एक निर्माणाधीन सड़क पर क्रेन गिर गई, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। अग्निशमन और राहत विभाग के सोशल मीडिया पेज पर साझा पोस्ट में बताया गया है कि हादसे में फिलहाल कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दो लोग मारे गए हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर हताहतों की संख्या सामने नहीं आई है। क्रेन की चपेट में आकर दो वाहन भी तबाह हो गए हैं। राहत और बचाव कार्य अभी जारी है।

क्या ईरान के खिलाफ कुछ बड़ा करने वाला है अमेरिका? युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया की तरफ रवाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के बीच अमेरिका ने अपने ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को दक्षिण चीन सागर से पश्चिम एशिया की तरफ रवाना किया है। वहीं ईरान ने भी अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है, जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल अमेरिका ने अपने युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को दक्षिण चीन सागर से पश्चिम एशिया की तरफ रवाना किया है। न्यूज नेशन की व्हाइट हाउस की पत्रकार केली मेयर ने सूत्रों के हवाले से ये दावा किया है। केली ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर ये जानकारी दी। केली मेयर ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्यूएस मिलिट्री हार्डवेयर ईरान से तनाव के बीच पश्चिम एशिया की तरफ बढ़ रहा है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर से अपने युद्धपोत को पश्चिम एशिया की तरफ रवाना किया है। एक सूत्र ने न्यूज नेशन को यह जानकारी दी है। युद्धपोत के पहुंचने में एक हफ्ते के करीब का समय लग सकता है।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने वेनेजुएला मुद्दे पर पुतिन से की बातय बुल्गारिया में निष्पक्ष चुनाव की मांग तेज

ब्राजील, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने वेनेजुएला की स्थिति और लैटिन अमेरिका में बढ़ते तनाव पर चर्चा की। क्रेमलिन के अनुसार, दोनों देशों ने वेनेजुएला की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों के समर्थन पर सहमति जताई। साथ ही संयुक्त राष्ट्र और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मिलकर तनाव कम करने के प्रयास जारी रखने का फैसला किया गया। बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में बुधवार को कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों लोग सड़कों पर उतरे और निष्पक्ष चुनाव की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि देश लगातार राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है और पांच साल में आठवीं बार चुनाव की आशंका है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने चुनाव में गड़बड़ी, वोट खरीद और नतीजों में हेरफेर की कोशिशें कीं। मशीन वोटिंग लागू न करने के फैसले पर भी सवाल उठे। राष्ट्रपति रुमेन रादेव सरकार गठन में नाकाम रहने के बाद कार्यवाहक सरकार और नए चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। ईरान ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच गिरफ्तार लोगों के खिलाफ तेज ट्रायल और फांसी दिए जाने के संकेत दिए हैं। न्यायपालिका प्रमुख ने कहा कि 18 हजार से अधिक हिरासत में लिए गए लोगों को जल्द सजा दी जानी चाहिए। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका या इस्राइल ने दखल दिया तो निर्णायक जवाब दिया जाएगा। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, सुरक्षा कार्रवाई में अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के दौर में हिरासत में लिए गए कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने इसे देश में नए राजनीतिक दौर की शुरुआत बताया। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक अब तक कम से कम 68 कैदियों को रिहा किया जा चुका है। यह कदम अमेरिका की शर्तों को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय दबाव कम करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। नेपाली कांग्रेस के दूसरे विशेष महाधिवेशन ने गगन थापा के नेतृत्व में नई केंद्रीय कार्यसमिति का सर्वसम्मति से चयन किया है। विशेष महाधिवेशन से गगन थापा पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। इसी तरह, विश्वप्रकाश शर्मा और पुष्पा भुसाल को उपाध्यक्ष चुना गया है। वहीं, महासचिव पद पर गुरु घिमिरे और प्रदीप पौडेल निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाइल नम्बर 9190052 39332
919450482227

US में स्थायी निवास की अनुमति नहीं: बांग्लादेश-PAK समेत 75 देशों पर असर, कुछ वीजा धारकों को छूटय जानिए सबकुछ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बसने का सपना देख रहे लोगों के लिए एक अहम खबर सामने आई है। ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान समेत 75 तथाकथित 'हाई-रिस्क' देशों से आने वाले लोगों के इमिग्रेंट वीजा पर अस्थायी रोक लगाने का फैसला किया है। हालांकि, इस फैसले का टूरिस्ट, स्टूडेंट या अस्थायी वर्क वीजा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को इन 75 देशों की सूची जारी करते हुए कहा कि इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिकी कल्याण योजनाओं पर अस्वीकार्य स्तर तक निर्भर हो जाते हैं। इस कदम का मकसद ऐसे प्रवासियों की एंट्री को रोकना है जो अमेरिका में रहकर सरकारी सहायता पर निर्भर हो सकते हैं। विदेश विभाग ने अपने बयान में कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिका आने वाले प्रवासियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए और अमेरिकी नागरिकों पर वित्तीय बोझ नहीं बनना चाहिए। यह रोक 21 जनवरी से लागू होगी और इसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान, इराक, नेपाल, सोमालिया, सीरिया, रूस, मिस्र, लीबिया, यमन समेत कई देश शामिल

हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह रोक केवल इमिग्रेंट वीजा पर लागू होगी। इमिग्रेंट वीजा उन लोगों को दिया जाता है जो अमेरिका में स्थायी रूप से रहने की योजना बनाते हैं, जैसे: विदेश विभाग ने यह भी कहा कि प्रभावित देशों के नागरिक वीजा के लिए आवेदन और इंटरव्यू दे सकते हैं, लेकिन इस रोक के दौरान कोई भी इमिग्रेंट वीजा जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि, जिन लोगों के पास इन 75 देशों के अलावा किसी अन्य देश की वैध नागरिकता और पासपोर्ट है, उन्हें इस रोक से छूट मिलेगी। व्हाइट हाउस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा कि यह फैसला तब तक लागू रहेगा जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि नए प्रवासी अमेरिकी करदाताओं पर बोझ नहीं बनेंगे। पोस्ट में साफ शब्दों में कहा गया 'अमेरिका फर्स्ट'। गौरतलब है कि नवंबर 2025 में विभाग द्वारा दुनिया भर के दूतावासों को भेजे गए एक संदेश में कांसुलर अधिकारियों को आव्रजन कानून के तथाकथित श्सार्वजनिक प्रभारश प्रावधान के तहत व्यापक नए स्क्रीनिंग नियमों को लागू करने का निर्देश दिया गया था। इस गाइडलाइन में कांसुलर अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे उन आवेदकों को वीजा देने से इनकार कर दें जिनके सार्वजनिक लाभों पर निर्भर रहने की संभावना है। इसके लिए स्वास्थ्य, आयु, अंग्रेजी भाषा की दक्षता, वित्तीय स्थिति और यहां तक कि दीर्घकालिक चिकित्सा देखभाल की संभावित आवश्यकता सहित कई कारकों पर विचार किया जाएगा।

इंडो-पैसिफिक में नया शक्तिसंतुलन: जापान और फिलीपींस के बीच रक्षा समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान और फिलीपींस ने क्षेत्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। दोनों देशों ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा रसद समझौते (Acquisition and Cross&Servicing Agreement & ACSA) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह संधि ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में बीजिंग की सैन्य गतिविधियों ने एशियाई देशों और उनके सहयोगियों की चिंता बढ़ा दी है। मनीला में आयोजित एक आधिकारिक समारोह के दौरान जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी और फिलीपींस की विदेश सचिव थेरेसा लाजारो ने इस समझौते पर मुहर लगाई। इस नए रक्षा समझौते के तहत, दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त प्रशिक्षण के दौरान गोला-बारूद, ईंधन, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कर-मुक्त आपूर्ति कर सकेंगी। यह समझौता न केवल सैन्य क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के प्रति तैयारी और संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में दोनों देशों की भागीदारी को भी सुगम बनाएगा। हालांकि, इस लॉजिस्टिक समझौते को प्रभावी होने से पहले जापानी सांसदों की सहमति जरूरी है। यह समझौता सीधे तौर पर चीन की क्षेत्रीय विस्तारवादी नीतियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। जापान और फिलीपींस, दोनों ही बीजिंग के साथ अलग-अलग क्षेत्रीय विवादों में उलझे हुए हैं। जहां फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में चीनी तटरक्षक जहाजों की बढ़ती शत्रुता का सामना कर रहा है, वहीं जापान पूर्वी चीन सागर में अपने दावों वाले द्वीपों के आसपास चीनी घुसपैठ से जूझ रहा है। हाल के समय में, जापानी प्रधानमंत्री साना़ए ताकाइची की उस टिप्पणी ने बीजिंग को और नाराज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ताइवान के खिलाफ संभावित चीनी कार्रवाई जापान को हस्तक्षेप करने के लिए प्रेरित कर सकती है। अमेरिका, जो इन दोनों एशियाई देशों का एक प्रमुख संधि सहयोगी है, ने भी चीन को विवादित जलक्षेत्र में आक्रामकता के प्रति बार-बार चेतावनी दी है। रक्षा सहयोग के साथ-साथ, जापान ने फिलीपींस के लिए नई सुरक्षा और आर्थिक विकास सहायता की भी घोषणा की है। यह फिलीपींस की विदेश नीति में आए उस बदलाव को दर्शाता है जो राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के कार्यकाल में शुरू हुआ है। उनके पूर्ववर्ती, रोड्रिगो दुतेर्ते ने चीन और रूस के साथ नजदीकी संबंध विकसित किए थे, लेकिन मार्कोस प्रशासन ने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और श्स्वतंत्र एवं खुले इंडो-पैसिफिकश की दिशा में जापान और अमेरिका के साथ संबंधों को प्राथमिकता दी है।

ताइवान के पास चीनी सैन्य गतिविधि बढ़ी, PLA के नौ लड़ाकू विमान और 11 युद्धपोत ट्रैक किए गए

ताइपे, एजेंसी। ताइवान और चीन के बीच जारी तनाव के बीच एक बार फिर चीनी सेना की गतिविधियों में इजाफा देखा गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने अपने क्षेत्र के आसपास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 9 लड़ाकू विमानों और 11 चीनी नौसैनिक जहाजों की मौजूदगी दर्ज की है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन सभी 9 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में प्रवेश किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा आज सुबह 6 बजे (न्ज़8) तक ताइवान के आसपास 9 च्. विमान और 11 च्छ जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। सभी विमानों ने मध्य रेखा पार की। स्थिति पर नजर रखी गई और उचित प्रतिक्रिया दी गई। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले बुधवार को भी ताइवान ने 20 च्. विमानों और 9 चीनी युद्धपोतों की मौजूदगी दर्ज की थी, जिनमें से 17 विमानों ने ।क्प्र् में प्रवेश किया था। इससे क्षेत्र में सैन्य दबाव लगातार बढ़ता दिख रहा है। इस बीच, ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा करेंगे और चीन को ताइवान के मामलों में दखल देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा मैं देश की सुरक्षा सुनिश्चित करूंगा और किसी भी तरह के चीनी दबाव को ताइवान तक पहुंचने नहीं दूंगा। राष्ट्रपति लाई ने यह भी कहा कि चीन द्वारा ताइवान पर बनाया जा रहा दबाव इस बात का प्रमाण है कि बीजिंग का अधिकार ताइवान तक नहीं फैलता और ताइवान, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा नहीं है। हाल ही में चीन द्वारा प्रतिबंधित जापानी सांसद हेई सेकी की ताइवान यात्रा का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति लाई ने कहा कि यह दौरा इस बात का सबूत है कि रिपब्लिक ऑफ चाइना और च्त् एक-दूसरे के अधीन नहीं हैं।

'जून में जो गलती की, उसे दोबारा न करे अमेरिका', ट्रंप की धमकी के बीच ईरान के विदेश मंत्री की चेतावनी

तेहरान, एजेंसीईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बयान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए उनसे विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी। उन्होंने ये भी कहा मदद आ रही है। इस पोस्ट के बाद कयास लगने लगे कि शायद अमेरिका, ईरान पर हमला कर सकता है। अब इन कयासों के बीच ईरान की सरकार ने चेतावनी दी है कि पिछली गलती न दोहराएं। माना जा रहा है । कि ईरान ने जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले से जोड़ते हुए ये बात कही। अमेरिकी मीडिया चौनल फॉक्स न्यूज के साथ

बातचीत में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। फॉक्स न्यूज के होस्ट ब्रेट बेयर ने जब ये सवाल किया कि क्या उनके पास राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कोई संदेश है, जो प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए किसी तरह की कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं? इस पर ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, श्मेरा संदेश है कि जून में आपने जो गलती की थी, उसे दोबारा न दोहराएं। आप जानते हैं, अगर आप एक असफल अनुभव को दोहराते हैं, तो आपको वही परिणाम मिलेगा।श अब्बास अराघची ने कहा, श्आपने जून में हमारे परमाणु केंद्रों पर हमला किया, मशीनों को नष्ट कर दिया, लेकिन तकनीक पर बमबारी नहीं की जा सकती और दृढ़ संकल्पों पर भी बमबारी नहीं की जा सकती। विदेश मंत्री अराघची ने आगे कहा कि ईरान हमेशा बातचीत और कूटनीति के लिए तैयार रहा है, लेकिन उन्होंने अमेरिका पर इससे बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, श्ईरान बातचीत और कूटनीति के लिए तैयार है। हमने पिछले 20 वर्षों में यह साबित किया है, लेकिन यह अमेरिका है जो हमेशा कूटनीति से बचता रहा, जिसने कूटनीति को खत्म किया और युद्ध को चुना। मेरा संदेश है कि युद्ध और कूटनीति के बीचय कूटनीति एक बेहतर तरीका है। हालांकि हमें अमेरिका से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। लेकिन फिर भी, कूटनीति युद्ध से कहीं बेहतर है।श

US: पालक पनीर की खुशबू पर विवाद, अमेरिकी यूनिवर्सिटी के खिलाफ भारतीय छात्रों की जीतय मिला इतने करोड़ का मुआवजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के साथ भेदभाव का एक मामला अब अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। भारतीय पीएचडी छात्र आदित्य प्रकाश और उर्मि भट्टाचार्य ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के खिलाफ नस्लीय भेदभाव और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कानूनी लड़ाई लड़ी। यह मामला एक साधारण से दिखने वाले लंच विवाद से शुरू हुआ, लेकिन आखिरकार 1.8 करोड़ रुपये के नागरिक अधिकार समझौते पर जाकर खत्म हुआ। यह पूरा मामला सितंबर 2023 का है, जब आदित्य प्रकाश ने यूनिवर्सिटी के विभागीय किचन में माइक्रोवेव में अपना खाना गर्म किया। बताया गया कि उस दिन उनके खाने में पालक पनीर था। इसी दौरान एक स्टाफ सदस्य ने कथित तौर पर खाने की खुशबू को लेकर शिकायत करते हुए उनसे माइक्रोवेव का इस्तेमाल न करने को कहा। आदित्य ने जवाब दिया कि यह सिर्फ खाना है, वह उसे गर्म कर रहे हैं और तुरंत चले जाएंगे। यहीं से विवाद ने तूल पकड़ लिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

NASA: पहली मेडिकल इवैकुएशन में 4 अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस से धरती पर वापसीय नासा का ऐतिहासिक फैसला

एजेंसी। नासा ने अपने 65 वर्षों के मानव अंतरिक्ष उड़ान इतिहास में पहली बार एक और ये स्पेसएक्स कैप्सूल के जरिये गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट उजागर नहीं की, जिसे चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता थी। अधिकारियों ने

स्पष्ट किया कि यात्री की हालत स्थिर और सुरक्षित है तथा यह फैसला पूरी सावधानी के साथ लिया गया है ताकि धरती पर बेहतर मेडिकल जांच संभव हो सके। नासा ने यह भी साफ किया कि यह कोई आपात स्थिति नहीं थी, लेकिन अंतरिक्ष में रहते हुए इलाज में देरी करना जोखिम भरा हो सकता था। इसलिए मिशन को छोटा करने का निर्णय लिया गया। स्पेस स्टेशन पर फिलहाल एक अमेरिकी और दो रूसी अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं। नासा और स्पेसएक्स अब फ्लोरिडा से नए दल की लॉन्चिंग की तारीख को आगे खिसकाने पर काम कर रहे हैं। नासा के नए प्रशासक जारेड आइजैकमैन ने इस फैसले पर कहा हमारे अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। क्रू-11 को अगस्त 2025 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए लॉन्च किया गया था, जिसका मिशन मूल रूप से लगभग छह महीने तक चलने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी और उसके अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी कक्षा में चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं और जरूरत पड़ने पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। दरअसल, क्रू-11 मिशन, आईएसएस पर निरंतर मानव उपस्थिति बनाए रखने के नासा के सतत प्रयासों का हिस्सा है। अपने प्रवास के दौरान अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और स्टेशन के नियमित रखरखाव का कार्य कर रहे हैं। साथ ही भविष्य के मिशनों की तैयारियों में भी सहयोग कर रहे हैं। चालक दल के मध्य फरवरी 2026 तक कक्षा में रहने की उम्मीद थी।

ऐतिहासिक और संवेदनशील फैसला लेते हुए मेडिकल इवैकुएशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से पृथ्वी पर वापस बुला लिया है। यह मिशन तय समय से एक महीने पहले ही समाप्त कर दिया गया। नासा, रूस और जापान के इन चार अंतरिक्ष यात्रियों ने बुधवार को स्पेस स्टेशन से विदाई ली के पास प्रशांत महासागर में उतरने वाले हैं। इस मिशन में शामिल नासा की अंतरिक्ष यात्री जेना कार्डमैन ने भावुक होते हुए कहा हमारी वापसी का समय अचानक बदला, लेकिन सबसे खूबसूरत बात यह रही कि यह टीम एक परिवार की तरह एक-दूसरे का ख्याल रखती रही। हालांकि नासा ने उस अंतरिक्ष यात्री की पहचान

ईरान में खामेनेई के आदेश पर कत्लेआम जारी, 3,428 प्रदर्शनकारियों की मौतय 10000 से ज्यादा गिरफ्तार

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सत्ताविरोधी प्रदर्शनों को कुचलने के लिए सर्वोच्च नेता खामेनेई की हुकूमत ने दमनकारी नीतियां अपनाई हैं। नॉर्वे स्थित ईरान ह्यूमन राइट्स (आईएचआर) एनजीओ के हवाले से एएफपी ने बताया कि ईरान में प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई के दौरान कम से कम 3,428 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और 10,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आईएचआर ने कहा कि मृतकों की संख्या में यह उछाल ईरानी स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालयों से मिली नई जानकारी के सामने आने के बाद हुआ है। एएफपी ने आईएचआर के हवाले से बताया कि लगभग 3,379 मौतें 8 से 12 जनवरी तक चले विरोध प्रदर्शनों के चरम के दौरान हुईं।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।